डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका की ओर से ईद मुबारक

वर्ष : 21 | अंक : 07 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 16 मार्च से 22 मार्च 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

अमेरिका का खौफ खत्म, ईरान ने सुपर शक्ति का भ्रम तोड़ा

» युद्ध के 16 दिन बाद भी ईरान को झुका नहीं पाऐ अमेरिका इजराईल

जयपुर। अमेरिका इजराईल और ईरान के 16 दिन घमासान युद्ध के बाद ईरान ने सुपर शक्तिशाली देश अमेरिका का खौफ खत्म कर दिया है। ईरान ने 16 दिन के बाद अमेरिका की सुपर पावर का भी भ्रम मिट्टी में मिला दिया है। युद्ध शुरू होने से पहले माना जा रहा था कि अमेरिका और इजराईल करीब एक सप्ताह में ईरान को बर्बाद करके सरेंडर करवा लेंगे। लेकिन 16 दिन युद्ध के बाद भी ईरान अमेरिका इजराइल से किसी भी तरह कमजोर नहीं दिखाई दे रहा है। ईरान ने 16 दिन के युद्ध में अमेरिका का विश्वभर से खौफ खत्म कर दिया और उसका घमंड चकनाचूर कर दिया। ईरान की मिसाइल और ड्रोन पावर के सामने विश्व की सुपर पावर माने जाने वाला अमेरिका और विश्व में सुपर तकनीक रखने का भ्रम पाले इजराईल बेबस नज़र आ रहे हैं। 16 दिन तक लगातार ईरान पर हवाई हमलों से बम गिराने और टॉमहॉक मिसाईलो से लगातार हमले करने के बाद भी ईरान का पलटवार जबर्दस्त दिखाई दे रहा है। अमेरिका इजराईल और उसके साथियों में ईरान का खौफ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति युद्ध रोकने और ईरान से समझौते के रास्ते ढूंढने लगे हैं। लेकिन अब ईरान अपनी शर्तों पर युद्ध विराम करना चाहता है। जंग बंदी के लिए पहले रूस और फिर चीन से संपर्क किया लेकिन अमेरिका को युद्ध बंद करने के कोई रास्ते नहीं मिल रहे हैं। विश्व स्तर पर वर्तमान में अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोई भरोसा नहीं करता है। इसलिए अमेरिका के पास कोई निष्पक्ष साथी नहीं बचा है।

ईरान ने अमेरिका को इतिहास का सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान पहुंचाया है—

अमेरिका हमेशा किसी न किसी देश से युद्ध करता रहता है / करीब 80 वर्षों में उसने कोई युद्ध नहीं हारा और युद्ध के बाद जमकर धन कमाया। अमेरिका ने अपने युद्ध की भरपाई हमेशा दुश्मन देश से की। लेकिन पहले अफगानिस्तान अब ईरान अमेरिका के लिए इतिहास का सबसे महंगा युद्ध साबित होने जा रहे हैं। ईरान ने अमेरिका के सबसे महंगे सुरक्षा मशीन थॉड को तोड़कर रख दिया। एक थॉड की कीमत 100 करोड डॉलर की आकी जाती है। इसके अलावा ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमला करके अमेरिकी सैनिक अड्डों को उड़ा दिया, बर्बाद कर दिया। अमेरिका मुस्लिम देशों से सुरक्षा के नाम पर भारी कीमत वसूलता था लेकिन अब यह मुस्लिम देश अमेरिका की सुरक्षा राशि देने से इंकार कर सकते हैं। ईरान ने खाड़ी देशों में व्यावसायिक स्थलों, खुफिया एजेंशियों के ऑफिसों, अमेरिका सुरक्षा बलों के स्थानों को आक्रमण करके उड़ा दिया। अमेरिका इजराईल, ईरान से बुरी तरह डरे हुए दिखाई दे रहे है। अमेरिका और इजराईल के सैन्य ठिकाने भी ईरानी हमलों में एक-एक करके नष्ट होते जा रहे हैं। इजराईल और अमेरिका की इंटरसेप्टर मिसाईल धीरे-धीरे करके खत्म होती जा रही है। यदि युद्ध के बीच अमेरिका और इजरायल के इंटरसेप्टर समाप्त हो गए तो ईरान इजराइल में बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकता है। अमेरिका के लिए ईरान से युद्ध सबसे महंगा साबित होने जा रहा है। साथ में अमेरिका के राष्ट्रपति का राजनीतिक अंत भी दिखाई दे रहा है।

चीन और रूस की मदद से ईरान युद्ध जीत भी सकता है—

ईरान के हथियार गोदाम जमीन के 500 से 1000 फीट तक नीचे बताए जा रहे हैं। इजराईल अमेरिका की हवाई बमबारी ईरानी मिसाईलों और ड्रोन फैक्ट्रियों को नुकसान नहीं पहुंचा पाई हैं। ईरानी मिसाईलों और ड्रोन के हमले दुश्मन ठिकानों पर सटीक लगाए जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण है कि चीन और रूस ईरानी सेना को सैटेलाईट लोकेशन उपलब्ध करवा रहे हैं। यही नहीं चीन और रूस ईरान को सभी तकनीकी, सैनिक, आर्थिक मदद भी कर रहे हैं। पर्दे के पीछे यह युद्ध अमेरिका को बर्बाद करने के लिए रूस चीन का भी युद्ध है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक चक्र के कारण बर्बादी के कगार पर बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ईरान से युद्ध की ऐसी स्थिति में पहुंच गया है कि उसे पीछे हटने और युद्ध आगे बढ़ाने दोनों में ही बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। ईरान को इस युद्ध से बड़ा फायदा मिल सकता है। करीब 50 वर्ष से आर्थिक प्रतिबंध झेल रहा ईरान अब इनसे मुक्त होता दिखाई दे रहा है। ईरान के साथ-साथ रूस भी आर्थिक प्रतिबंधों से मुक्त हो सकता है। अमेरिका का संयुक्तराष्ट्र संघ में दबदबा और दुनिया के देशों को धमकाने का दौर अब इतिहास बनता दिखाई दे रहा है। इस युद्ध में आश्चर्यजनक रूप से यह भी सुनने के लिए मिल सकता है कि अमेरिका एकतरफा रूप से युद्ध विराम कर रहा है।

अमेरिका ईरान युद्ध विश्व में ऊर्जा संकट और महंगाई का कारण बन रहा है—

अमेरिका इजराईल ने ईरान के तेल ठिकानों पर हवाई हमले करके आग लगादी और बर्बाद कर दिया। पलटवार करते हुए ईरान ने भी इजराईल, यूएई, कतर, कुवैत, सऊदी अरब, एवं ओमान में तेल ठिकानों पर हमला करके नुकसान पहुंचाया है। ईरान ने दुनिया को कच्चे तेल एवं अन्य वस्तुओं को लाने ले जाने वाले पानी के जहाजों के महत्वपूर्ण रास्ते हार्मूज को बंद कर दिया है। कच्चे तेल की आवाजाही में रुकावट पैदा होने से विश्व में डीजल पेट्रोल और गैस की भारी कमी हो सकती है। यदि लंबा चलता है तो क्रूड ऑयल की कीमत $200 के पार जा सकती है। जिससे विश्व में सभी वस्तुओं पर महंगाई बढ़ सकती है। ऑयल, गैस की किल्लत से सभी देशों की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने जा रही है। भारत युद्ध में शामिल नहीं है फिर भी क्रूड ऑयल और गैस की कमी से भारत में परेशानी हो सकती है। अमेरिका ईरान युद्ध से विश्व में ऊर्जा संकट और महंगाई दिखाई देने लगी है। युद्ध में अमेरिका और ईरान कोई भी पीछे हटते नजर नहीं आ रहा है। दूसरी तरफ ईरान खाड़ी देशों में अमेरिकी तेल ठिकानों को तेजी से निशाने पर लेने लगा है।

ईद-उल-फ़ित्र: त्यौहार से बढ़कर - त्याग, सौहार्द और सामाजिक सद्भाव का पर्व

डॉ. मुहम्मद इक़बाल सिद्दीकी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ईद-उल-फित्र इस्लाम के दो त्यौहारों में से एक है। यह रमज़ान के महीने के समापन का प्रतीक है, जो आत्म-संयम, ईश-परायणता और आत्म-विश्लेषण का समय होता है। लेकिन ईद सिर्फ खुशी और उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि यह एक महीने के उस आध्यात्मिक और नैतिक प्रशिक्षण का नतीजा है जो मुसलमानों को संयम, धैर्य, कृतज्ञता और सामाजिक ज़िम्मेदारी सिखाता है। रमज़ान के दौरान सीखे गए आत्म-अनुशासन, हमदर्दी और दानशीलता के सबक़ ईद के मौके पर व्यवहार में ढलते हैं। यह दिन आपसी एकता को मज़बूत करने, सामाजिक न्याय को अपने जीवन का हिस्सा बनाने और आपसी सौहार्द को परवान चढ़ाने का अवसर भी होता है। भारत, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है, में ईद-उल-फ़ित्र हमेशा से एकता, धार्मिक सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक रही है। दुर्भाग्य से हाल के वर्षों में बढ़ती राजनीतिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों ने इसके मूल संदेश को प्रभावित करने की कोशिश की है। ईदगाहों में नमाज़ पर पाबंदियां, मस्जिदों की अन्यायपूर्ण और मनमानी तोड़फोड़, आर्थिक बहिष्कार, नफ़रत भरी बयानबाज़ी और मीडिया का पक्षपातपूर्ण रवैया इस त्यौहार की समावेशी भावना के सामने नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं। इसके बावजूद, ईद एकता और सौहार्द का प्रतीक बनी हुई है, यह इस बात का प्रमाण है कि समाज आपसी भाईचारे और सह-अस्तित्व के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता बनाए रखे हुए है।

भारत में ईदः एक सांस्कृतिक और सामाजिक उत्सव भारत में ईद-उल-फित्र केवल एक धार्मिक त्यौहार नहीं, बल्कि देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। दिल्ली के चांदनी चौक, हैदराबाद के लाड बाज़ार, लखनऊ के अमीनाबाद और कोलकाता की जकरिया स्ट्रीट जैसी जगहों पर ईद की ख़रीदारी और तरह-तरह के खाने-पीने की रौनक़ देखने लायक़ होती है। इस दिन परिवारों में विशेष दावतें होती हैं, जिनमें शीर खुरमा, सेवइयां, बिरयानी, कवाब और कई तरह की मिठाइयां बनाई जाती हैं। बच्चों को ईदी (नक़दी या तोहफ़े) दी जाती है और लोग एक-दूसरे से मिलकर बधाइयां देते हैं। ईद की यह ख़ुशी सिर्फ़ मुस्लिम घरों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि कई गैर-मुस्लिम दोस्त और पड़ौसी भी इसमें शामिल होते हैं, जिससे भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब और धार्मिक सौहार्द और मज़बूत होता है।

रमज़ानः एक महीने का आत्मिक प्रशिक्षण

ईद-उल-फित्र को पूरी तरह समझने के लिए, रमज़ान के आध्यात्मिक सफ़र को समझना ज़रूरी है।

शेष पृष्ठ 5 पर...

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित, एडवोकेट डॉ. नरेन्द्र बौद्ध बने उपाध्यक्ष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लंबे समय के इंतजार के बाद कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। नई कार्यकारिणी में कुल 134 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी को मंजूरी दी है।

प्रदेश कार्यकारिणी में कई पदों पर नियुक्तियां:-

काफी समय से प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की कार्यकारिणी भंग चल रही थी। नई कार्यकारिणी में 12 उपाध्यक्ष, 15 महामंत्री, 28 सचिव, 18 संयुक्त सचिव और 61 स्टेट कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चौपदार ने बताया कि आने वाले समय में कार्यकारिणी का और भी विस्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिलाध्यक्षों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है।

उपाध्यक्ष पद पर कई नेताओं को जिम्मेदारी:-

नई कार्यकारिणी में जिन नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है, उनमें एडवोकेट डॉ. नरेन्द्र बौद्ध, रजनीश जैकब, जफर हुसैन, अब्दुल खलाक खान, मुश्ताक खान, नियाज अहमद, परमप्रीत सिंह, मोहम्मद सदीक गौरी, धनपाल जैन, सलीमुद्दीन खान, नजमा राहीन और नवाज अली के नाम शामिल हैं।

महामंत्री पद के लिए भी कई नाम घोषित:-

इसके अलावा प्रदेश महामंत्री पद के लिए शहाबुद्दीन जैद, लियाकत अली, यूनुस खान, सरदार सतपाल सिंह, रानू अजमल खान, अब्दुल हमीद खान खोकर, हाजी मोहम्मद इकबाल, फिरोज खान, शबनम डार, एडवोकेट इकबाल खान, मुस्तफा सर, अमीन खान मोयला, जफर खान मारवाड़ और रजा अब्बास को जिम्मेदारी दी गई है।

डॉ. नरेन्द्र बौद्ध की नियुक्ति पर प्रतिक्रिया:-

उपाध्यक्ष बनाए गए एडवोकेट डॉ. नरेन्द्र बौद्ध एक समाजसेवी होने के साथ बौद्ध समुदाय के अध्यक्ष भी हैं। बताया जा रहा है कि वे प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा लाए गए धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई भी लड़ रहे हैं और इस मुद्दे पर आंदोलन से जुड़े हुए हैं।

शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार:-

एडवोकेट डॉ. नरेन्द्र बौद्ध ने अपनी नियुक्ति पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, वरिष्ठ नेता अशोक गहलो अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चौपदार का धन्यवाद देते हुए कहा कि पार्टी ने बौद्ध समुदाय को प्रतिनिधित्व देकर सम्मान दिया है।

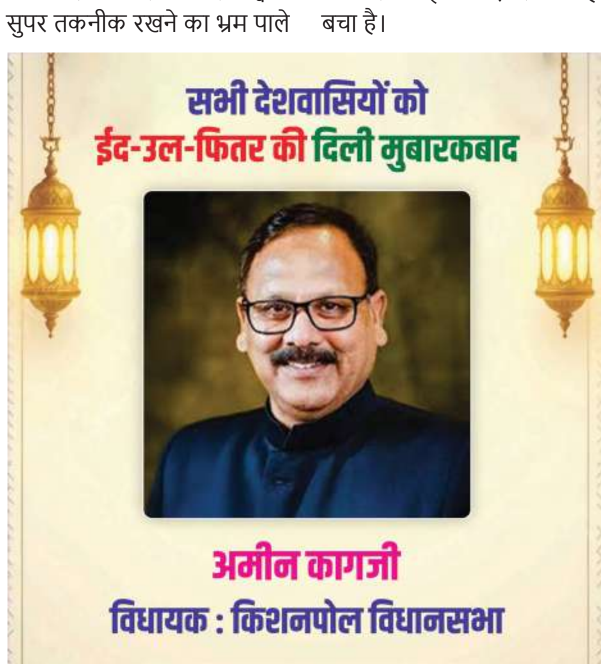

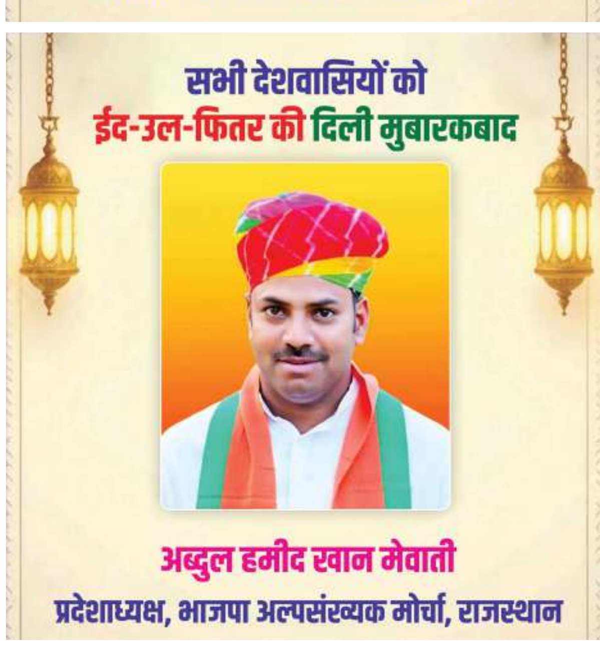

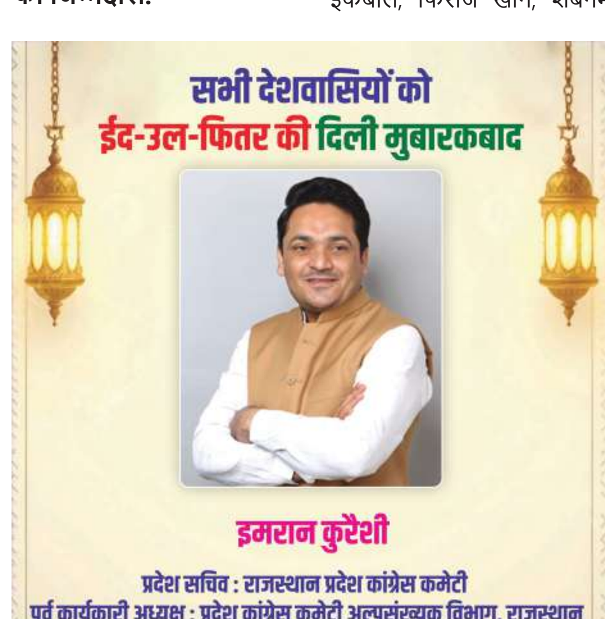

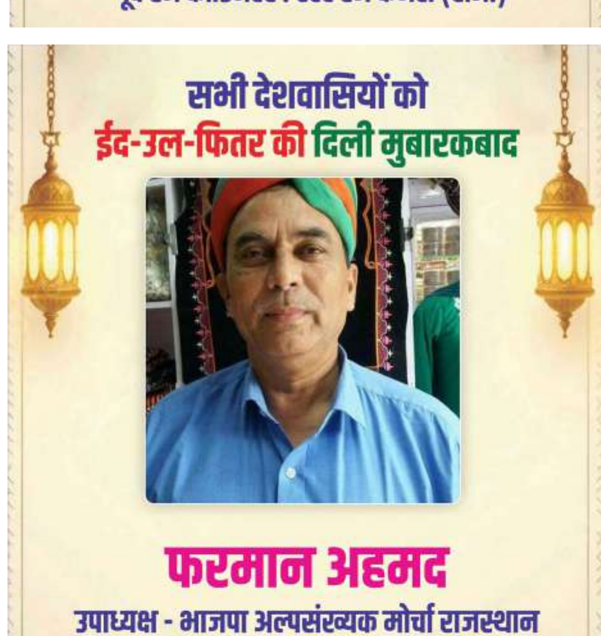

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में बेहतर सुविधाएँ

-गरीब छात्रों के लिए सरकारी पहल

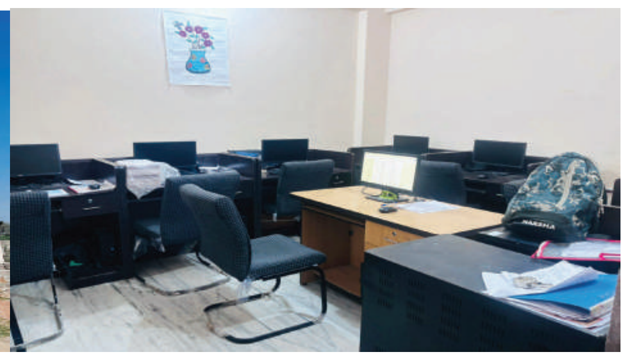

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरकार की ओर से संचालित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। इन विद्यालयों में विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के ऐसे बच्चों को मौका दिया जाता है जो संसाधनों की कमी के कारण अच्छी पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। यहां कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र पढ़ाई करते हैं और उन्हें रहने-खाने से लेकर पढ़ाई तक की पूरी सुविधा एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाती है। इस व्यवस्था का मकसद यह है कि बच्चे बिना किसी आर्थिक दबाव के पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे सकें।

इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई:-

इस आवासीय विद्यालय की खास बात यह है कि यहां बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई कराई जाती है। पढ़ाई के साथ-साथ ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए विद्यालय में एलईडी स्क्रीन लगाई गई है, जिसके माध्यम से बच्चे ऑनलाइन लेक्चर और शैक्षणिक सामग्री देख सकते हैं। इससे बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

मनोरंजन और खेल की सुविधाएँ:-

विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके मानसिक विकास और मनोरंजन का भी पूरा ध्यान रखा गया है। बच्चों के लिए हफ्ते में एक बार मूवी दिखाई जाती है, ताकि पढ़ाई के बीच उन्हें मनोरंजन का भी मौका मिले। इसके अलावा चारों ओर खेत होने की वजह से यहां वाहनों की आवाजाही बहुत कम है, जिससे बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित रहती है।

खाने-पीने और रहने की बेहतर व्यवस्था:-

विद्यालय में बच्चों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था भी काफी अच्छी बताई जाती है। भोजन घर जैसा बनाने की कोशिश की जाती है और हर हफ्ते अलग-अलग प्रकार की डाइट दी जाती है। विशेष दिनों पर दाल-बाटी-चूरमा, लड्डू-बाटी जैसी पारंपरिक डिशेज भी शामिल की जाती हैं। यदि बच्चे कोई खास खाने की फरमाइश करते हैं तो उसे भी पूरा करने का प्रयास किया जाता है। सोने के लिए साफ-सुथरे कमरे, गद्दे और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

कंप्यूटर लैब से डिजिटल शिक्षा:-

विद्यालय में बच्चों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए कंप्यूटर लैब की भी व्यवस्था की गई है। यहां कंप्यूटर के माध्यम से छात्रों को बेसिक डिजिटल शिक्षा दी जाती है, जिससे वे पढ़ाई के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी हासिल कर सकें।

पढ़ाई के साथ आर्थिक सहायता:-

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी दी जाती है। छात्रों को हर साल करीब 1800 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उनकी छोटी-मोटी जरूरतें पूरी हो सकें। पढ़ाई, रहने, खाने और कपड़ों की सुविधा मुफ्त होने के कारण गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में काफी मदद मिलती है। इस तरह की व्यवस्था से कई जरूरतमंद छात्रों के लिए शिक्षा का रास्ता आसान हो रहा है।

जुमातुल विदा पर जौहरी बाजार जामा मस्जिद में नमाजियों की उमड़ी भीड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के मुकद्दस महीने के आख़िरी अशरे में आने वाले जुमातुल विदा को लेकर शहर के पुराने इलाके में खास रौनक देखने को मिली। जौहरी बाजार स्थित जामा मस्जिद में नमाज़ अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही मस्जिद के आसपास नमाज़ियों की आवाजाही बढ़ने लगी थी और दोपहर तक पूरा इलाका इबादत के माहौल में नजर आया। जुमातुल विदा की अहमियत को देखते हुए शहर के अलग-अलग हिस्सों से रोज़ेदार जामा मस्जिद पहुंचे और नमाज़ में शरीक हुए।

मस्जिद परिसर और बाजार क्षेत्र में बढ़ी हलचल:-

जुमातुल विदा की नमाज़ के दौरान जौहरी बाजार और बड़ी चौपड़ के आसपास का इलाका काफी व्यस्त दिखाई दिया। मस्जिद के भीतर और बाहर नमाज़ियों की कतारें लगीं और बड़ी संख्या में लोग इबादत में शामिल हुए। बड़ी चौपड़ जयपुर के प्रमुख धार्मिक और व्यावसायिक इलाकों में से एक है, इसलिए नमाज़ के समय यहां लोगों की मौजूदगी काफी अधिक रही। आसपास के बाजारों और रास्तों पर भी हलचल बनी रही।

पुलिस प्रशासन रहा अलर्ट मोड पर:-

जुमातुल विदा की नमाज़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग की गई थी और नमाज़ के दौरान कुछ समय के लिए आवाजाही को नियंत्रित किया गया। नमाज़ियों की सुविधा के लिए पानी की व्यवस्था भी की गई। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी पूरे समय बनी रही ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना की स्थिति न बने।

मेट्रो स्टेशन के पास दिखी गंगा-जमनी तहज़ीब:-

जुमातुल विदा की नमाज़ के दौरान बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशन के पास आपसी सौहार्द और गंगा-जमनी तहज़ीब की झलक देखने को मिली।

नमाज़ के समय जब रास्तों पर आवाजाही कुछ देर के लिए रुकी हुई थी, तब वहां मौजूद कुछ हिंदू महिलाएँ मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी रहीं और नमाज़ खत्म होने का इंतजार करती नजर आईं। वे शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करती रहीं कि नमाज़ पूरी होने के बाद ही आगे बढ़ेंगी। नमाज़ खत्म होने तक वे वहीं खड़ी रहीं और उसके बाद रास्ता खुलने पर अपने घरों की ओर रवाना हुईं। यह दृश्य शहर में आपसी सम्मान और भाईचारे की मिसाल के रूप में देखा गया।

अमन-चैन और विश्व शांति के लिए की गई दुआ:-

जुमातुल विदा की नमाज़ के बाद नमाज़ियों ने देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की। इसके साथ ही पूरे देश की तरक्की और सलामती की कामना की गई। दुआ में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे युद्ध और तनाव के खत्म होने तथा विश्व में शांति कायम होने की भी प्रार्थना की गई। नमाज़ियों ने इंसानियत, एकता और आपसी सौहार्द कायम रहने की दुआ के साथ इबादत का समापन किया।

मदरसों और छात्रावासों में गूंजा सत्य-अहिंसा का संदेश, उत्साह से मनाया गया 'तीर्थंकर दिवस'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले के मदरसों, आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त शिक्षण संस्थानों में 'आओ पहचानें भारतीय संस्कृति को' कार्यक्रम के तहत जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव जी का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक (ऋषभ नवमी) 'तीर्थंकर दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के संदेशों को करीब से जाना। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि जयपुर के शास्त्री नगर, हसनपुरा, ईदगाह, चार दरवाजा, आमेर के साथ-साथ चाकसू, किशनगढ़ रेनवाल, शाहपुरा, गोविंदगढ़ और नरेना (नारयाणा) स्थित मदरसों में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए। इसके अलावा मानसरोवर स्थित बालिका छात्रावास, झोटवाड़ा के बालक छात्रावास और जगतपुरा के आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दी गई सत्य, अहिंसा और पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा:-

आयोजनों में विद्यार्थियों को भगवान ऋषभदेव के जीवन दर्शन से अवगत कराते हुए सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, संयम और तप के महत्व को समझाया गया। सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान, जीव दया, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता में उनकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को रोचक तरीके से जानकारी देने के लिए स्मार्ट क्लास का उपयोग किया गया, जहां उन्हें भगवान ऋषभदेव की जीवनी पर आधारित लघु फिल्म और वीडियो दिखाए गए। कार्यक्रम के अंत में पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें बच्चों ने भगवान ऋषभदेव के प्रतीक चिन्हों और उनकी शिक्षाओं को अपनी चित्रकला के माध्यम से बेहतरीन ढंग से उकेरा।

बुलाऊं तो आता नहीं है

हर कोई सभी को चाहता नहीं है
और मन को भी सब भाता नहीं है
शहर की ख़बरें छपती है लेकिन
तुम्हारी ख़बरें वो छपवाता नहीं है
तुझको समझना भी है इक पहेली
जो घर पर बुलाऊं तो आता नहीं है
कभी तेरी महफ़िल में रौनक था
सुना है अब वो आता जाता नहीं है
मेरे साथ मुद्दत से रहकर भी यारों
वो कहता है यूं मुझसे नाता नहीं है
तुझको समझना भी है इक पहेली
जो घर पर बुलाऊं तो आता नहीं है
परेशानियां कम क्यूं होती नहीं है
क्यों दर्दे सर मेरा जाता नहीं है

फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

समर्पण संस्था के 16 वें रक्तदान शिविर में 88 युनिट रक्त एकत्रित

-जीवन बचाने का महत्वपूर्ण उपहार है रक्तदान - बी एस रावत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर में आयोजित 16वें रक्तदान शिविर में कुल 88 युनिट रक्त एकत्रित हुआ।शिविर में सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक द्वारा 40, राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक द्वारा 22 व स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा 26 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि रावत एज्युकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी.एस. रावत ने संस्था पदाधिकारियों के साथ फ़ीता काटकर किया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सेमिनार में मुख्य अतिथि बी.एस. रावत ने कहा कि रक्तदान जीवन बचाने का महत्वपूर्ण उपहार है। एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है। हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईएएस डॉ. नीरज के. पवन ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन कर स्वयं ने भी रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को संस्था की तरफ से प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन शिक्षिका मोनिका खण्डेलवाल ने किया। इस अवसर संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवानिवृत्त आईआरएस सी.एल. वर्मा, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष बनवारी लाल मेहरड़ा सहित संस्था के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोगों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

फिरदौस मस्जिद विवाद थमा नहीं, अब मक्का मस्जिद के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे का आरोप

-मक्का मस्जिद बंदा बस्ती के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे के आरोप

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नहरी का नाका, बंदा बस्ती स्थित मक्का मस्जिद के पास बने मदरसा तालीमुल कुरान को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था, लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां पढ़ाई लगभग बंद पड़ी है।

मदरसे की जमीन पर कब्जे के आरोप:-

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मदरसे के पास की जमीन पर पूर्व पार्षद के भाई लियाकत अली पठान और मोहसिन पठान (मोसिन टेंट वाला) ने कब्जा कर रखा है। बताया जाता है कि यहां टेंट का सामान रखा जाता है और उसी जगह का इस्तेमाल शादी-समारोह के लिए किया जा रहा है। हर शादी से करीब 7 हजार रुपये लिए जाने की बात सामने आ रही है।

आमदनी के हिसाब को लेकर उठे सवाल:-

इलाके के लोगों का कहना है कि अगर साल में औसतन करीब 30 शादियां होती हैं और एक शादी से लगभग 7 हजार रुपये लिए जाते हैं, तो एक साल में करीब 2 लाख 10 हजार रुपये की आमदनी बनती है। लोगों के अनुसार मदरसा बंद हुए करीब 10 साल से अधिक समय हो चुका है। ऐसे में अनुमान के अनुसार करीब 20 लाख रुपये से ज्यादा की रकम बनती है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि यह पैसा आखिर कहां गया और इसका हिसाब किसके पास है।

पहले भी उठी थी आवाज, हमला होने का आरोप:-

स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पहले भी नाजिम नाम के युवक ने इस मुद्दे को उठाया था। आरोप है कि उस समय करीब 30–35 लोगों ने उसके घर पर हमला कर दिया था, जिसके बाद इलाके में डर का माहौल बन गया था।

मदरसे की कमेटी और प्रबंधन पर उठ रहे सवाल:-

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले मदरसे की देखरेख मुफ्ती वाजिद साहब करते थे, लेकिन बाद में उन पर आरोप लगाकर उन्हें हटा दिया गया। इसके बाद अलग-अलग समय में बनी कमेटियों के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि मदरसे से जुड़ी आमदनी और प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की जरूरत है।

मदरसा बंद, इमारत भी जर्जर हालत में:-

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मस्जिद और मदरसे की जो तामीर पहले हुई थी, उसके बाद यहां कोई खास विकास कार्य नहीं हुआ। इमारत आज भी लगभग उसी हालत में है और कई जगह खिड़कियां व दरवाजे टूटे हुए बताए जा रहे हैं।

स्थानीय युवक ने उठाई आवाज, युवक का बयान:-

मामले को लेकर आवाज उठाने वाले स्थानीय युवक सद्दाम मसूरी ने बताया कि वह इसी इलाके का रहने वाला है और बचपन से ही मदरसा तालीमुल कुरान से जुड़ा रहा है। उसके अनुसार यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था और एक समय यहां अच्छी संख्या में बच्चे पढ़ते थे। सद्दाम के मुताबिक यहां लड़कों के लिए हिफ्ज़ की तालीम होती थी और हर साल करीब 8–9 लड़के हाफिज बनकर निकलते थे। वहीं लड़कियों के लिए भी अलग मदरसा चलता था, जहां हर साल करीब 5–7 लड़कियां आलिमा बनकर अपनी पढ़ाई पूरी करती थीं। सद्दाम का कहना है कि समय के साथ यह सारी गतिविधियां बंद हो गईं और मदरसा लगभग बंद पड़ा है। उनका आरोप है कि मदरसा बंद होने के बाद इलाके के माहौल पर भी असर पड़ा है। उनके मुताबिक अब मोहल्ले में नशे की समस्या बढ़ गई है और कई जगह गांजा और चरस जैसे नशे खुलेआम इस्तेमाल होते दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में पुलिस की गश्त भी बहुत कम होती है। सद्दाम का कहना है कि अगर मदरसा फिर से शुरू हो और बच्चों को तालीम मिले तो इलाके का माहौल बेहतर हो सकता है।

सफाई के दावों की खुली पोल: आदर्श नगर का वार्ड 99 गंदगी के ढेर पर, बदबू और उफनते चेंबरों से जनता बेहाल

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी को इंदौर की तर्ज पर साफ-सुथरा बनाने के नगर निगम के तमाम दावे धरातल पर फेल होते नजर आ रहे हैं। सफाई व्यवस्था में नंबर बढ़ाने का दंभ भरने वाला निगम अब खुद अपनी लापरवाही के दलदल में फंस गया है। ताज़ा मामला आदर्श नगर ज़ोन के वार्ड नंबर 99 का है, जहाँ स्थिति इतनी भयावह है कि गलियों में कचरे का साम्राज्य है और सीवरेज के चेंबर सड़कों पर उफन रहे हैं।

रमजान में रोजेदार परेशान, मस्जिद के सामने गंदगी का अंबार:-

स्थानीय निवासी मोहम्मद हनीफ खान ने बताया कि इस समय पवित्र रमजान का महीना चल रहा है, लेकिन मस्जिद के ठीक सामने गंदगी और मलबे का ढेर लगा है। रोजेदारों को मस्जिद जाने के लिए गंदे पानी और कचरे के बीच से गुजरना पड़ रहा है। भीषण गर्मी और गंदगी के कारण इलाके में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है, लेकिन निगम प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है।

चेंबरों से निकल रहा है 'जहर', नरकीय जीवन जीने को मजबूर लोग:-

वार्ड नंबर 99 की गलियों में सीवरेज चेंबर पूरी तरह चोक हो चुके हैं। स्थिति यह है कि गंदा पानी सड़कों पर बुलबुलों के साथ बाहर निकल रहा है, जिससे पूरे मोहल्ले में असहनीय बदबू फैली हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार पार्षद माया निवाल और निगम कार्यालय में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती।

निगम अधिकारियों की 'नो कमेंट' वाली नीति:-

जब इस समस्या को लेकर मीडिया की टीम आदर्श नगर ज़ोन कार्यालय पहुँची, तो वहाँ का नज़ारा और भी चौंकाने वाला था। दो दिनों तक लगातार ज़ोन उपायुक्त (DC) राजेंद्र जी कार्यालय से नदारद मिले। फोन करने पर उन्होंने कॉल उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। कार्यालय में मौजूद अन्य अधिकारियों ने समस्या समाधान का खोखला आश्वासन तो दिया, लेकिन कैमरे पर कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया।

जनता के सवाल—कहाँ जा रहा है सफाई का बजट?:-

स्थानीय निवासी इमरान और अन्य युवाओं ने बताया कि कचरा संग्रहण वाली गाड़ियाँ गलियों के अंदर आती ही नहीं हैं। अगर कभी आती भी हैं, तो मुख्य सड़क से निकल जाती हैं। मोहल्ले वालों का आरोप है कि सफाई के नाम पर पास होने वाला भारी-भरकम बजट आखिर किसकी जेब में जा रहा है?

वार्ड की मुख्य समस्याएं:-

अनियमित कचरा संग्रहण: हफ्तों तक कचरा उठाने वाली गाड़ियाँ नहीं पहुँचतीं। चोक सीवरेज: चेंबर ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहे हैं। अधिकारियों की बेरुखी: शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं। स्वास्थ्य का खतरा: गंदगी और दूषित पानी से संक्रामक रोगों का डर।

सभी देशवासियों को ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
अब हर सामान अपने घर ले जायें आसान मासिक किश्तों में
जेबा इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स
हमारे यहां पर सभी क्वालिटी के पंखे, कूलर, फ्रिज,वांशिग मशीन, एल.ई.डी. टी.वी.,एवं अन्य सभी प्रकार के इलेक्ट्रोनिक्स आईटम उचित मूल्य एवं आसान मासिक किश्तों पर मिलते है एवं होम थियेटर , साउण्ड, स्पीकर , टॉवर स्पीकर आदि भी आसान मासिक किश्तों पर मिलते है।
अपने सपनों का घर बनायें, हर सामान आसान किश्तों में पायें।
सभी सामान आसान किश्तों मे उपलब्ध
किश्तों पर सामान लेने के लिए सम्पर्क करें- यामीन खांन
7976911630
नोट: हमारे यहां पर CCTV कैमरे भी लगाये जाते है।
:: पता ::
दुकान नं. 2, अक्सा मस्जिद के पास,
खो नागोरियान, जगतपुरा रोड़, जयपुर, राजस्थान

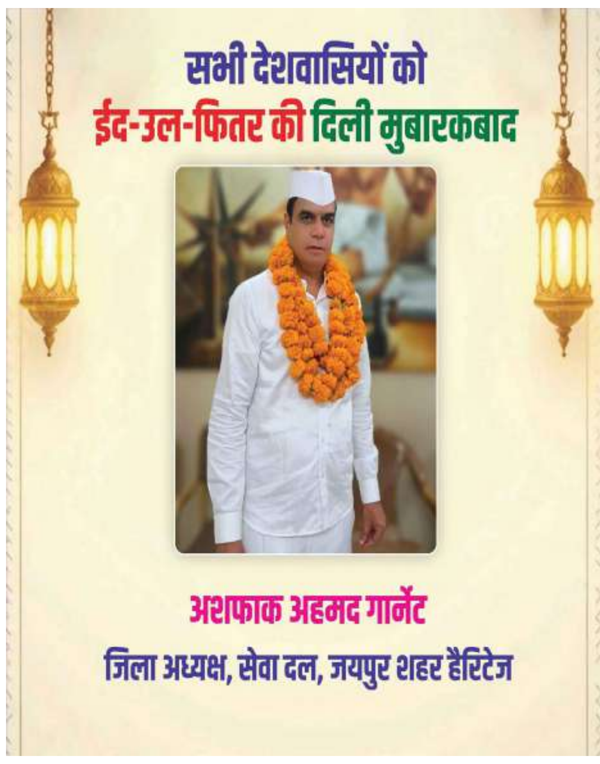
सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
अशफाक अहमद गार्नेट
जिला अध्यक्ष, सेवा दल, जयपुर शहर हैरिटेज

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
डॉ. नफीस अहमद
पूर्व महासचिव : जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी,
युवा कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष : किशनपोल विधानसभा

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
शाहनवाज़ लाला
पार्षद प्रत्याशी वार्ड 83
महासचिव: जिला खेल प्रकोष्ठ कांग्रेस कमेटी, जयपुर

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
शोएब मेव
प्रदेश सचिव - कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, राजस्थान

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
हाजी यासिर हुसैन सूफी
अध्यक्ष : जनता सेवा संघ, जयपुर

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद
ईद मुबारक
मुजीबुर रहमान अब्बासी - प्रदेश सचिव
अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन
राजीव गांधी कांग्रेस कमेटी – प्रदेश सचिव
9828418745

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
जादौन इंटरप्राइजेज
साबिर खान
मोहम्मद हारून
गोगोर, सवाई माधोपुर (राज.)

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
अबरार मोहम्मद
वार्ड पार्षद : 36 नगर परिषद, सवाई माधोपुर

सभी प्रदेशवासियों को ईद उल फितर की
दिली मुबारकबाद
डॉ. खानु खान बुधवाली
चेयरमैन : वक्फ बोर्ड राजस्थान
खलील अहमद
पूर्व जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस, पूर्व संयोजक अल्पसंख्यक विभाग (राज.), नायब सदर जिला वक्फ कमेटी सवाई माधोपुर
डॉ. जमील अहमद
उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता जिला कांग्रेस कमेटी, संरक्षक अंजुमन इस्लामिया सवाई माधोपुर

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद
Eid Mubarak
M. A. PUBLIC SCHOOL
(An English Medium Co-educational School)
L.K.G. To X
S - 16-17, Sitarampuri, Amer Road, Jaipur.
Contact : +91-99822-98412

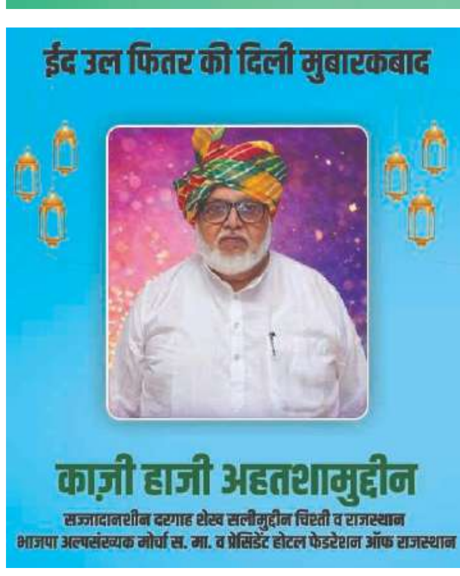
ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
काज़ी हाजी अहतशामुद्दीन
सज्जादानशीन दरगाह शेख सलीमुद्दीन चिश्ती व राजस्थान
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा स. मा. व प्रेसिडेंट होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान

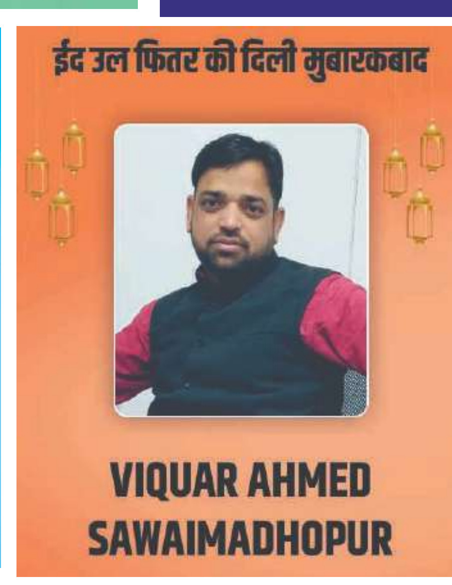
ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
VIQUAR AHMED
SAWAIMADHOPUR

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
निसार अहमद
नेशनल ऑटो पार्ट्स
हमारे यहां सभी प्रकार की मोटर साइकिल के पार्ट्स एवं रिपेयरिंग का कार्य किया जाता है। मिस्त्री मार्केट टोंक रोड बजरीया सवाई माधोपुर
संबधित फर्म: न्यू नेशनल ऑटो पार्ट्स ए आर वाशिंग सेंटर बस स्टैंड टोंक बजरिया सवाई माधोपुर मो. 9413753199,8852883340

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
MOHAMMAD YUNUS SHIRANI
PROPRIETOR OF RANTHAMBORE VACATION

जयपुर जायका रेस्टोरेंट
साजिद भाई चिकन बिरयानी वाले
की तरफ से आप सभी प्रदेशवाशियों को
ईद - उल - फितर
की तहेदिल से
मुबारकबाद
साजिद कुरैशी
97840 13196
गोल्ड जाफरानी पुलाव
चिकन बिरयानी
बड़े की बिरयानी
दलिम
इरानी अण्डे का हलवा
देशी घी में गुलत्ती
शॉप नं. 15, 200 फुट रोड, जगन्नाथपुरी, झोटवाड़ा, जयपुर

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
रजीउद्दीन अंसारी
जिलाध्यक्ष: - राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन महासचिव
यूथ कांग्रेस सवाई माधोपुर Mob. N. 9785053883

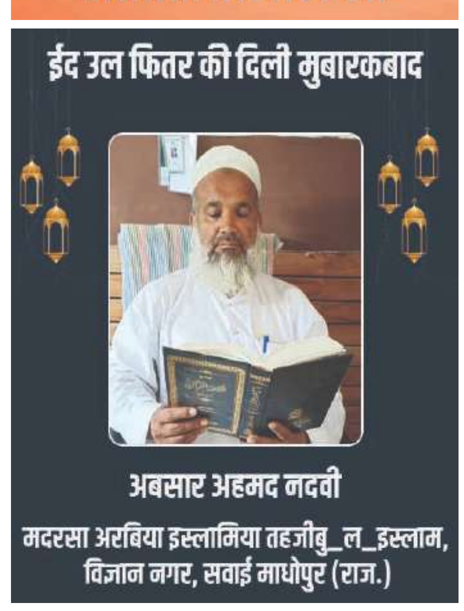
ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
अबसार अहमद नदवी
मदरसा अरबिया इस्लामिया तहज़ीबु_ल_इस्लाम,
विज्ञान नगर, सवाई माधोपुर (राज.)

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
मिर्जा मकसूद बैग
एडवोकेट सवाई माधोपुर

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
सगीर अहमद अंसारी
अध्यक्ष: न्यू मॉडर्न हाथ करघा वस्त्र उत्पादक सहकारी समिति लि.
अंसारी मोहल्ला, सवाई माधोपुर मो. 9950856348

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
इरशाद गौरी - 8233323800
अध्यक्ष पिंक सिटी टेक्सी यूनियन चौमु

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
अबरार हुसैन पठान

ईद उल फितर की हार्दिक शुभकामनायें
सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया
मोबाईल नं. - 9602548578
युवा प्रदेश महासचिव - अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा राजस्थान।
महासचिव - बलाई विकास समिति, जयपुर (मुख्यालय-चौमूं)।
जिला महासचिव - न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ जयपुर, राजस्थान।
जिलाध्यक्ष - राष्ट्रीय एससी-एसटी विकास परिषद, राजस्थान (युवा प्रकोष्ठ जयपुर ग्रामीण)।
पता - ग्राम पोस्ट - टांकरड़ा, तहसील - चौमूं, जिला - जयपुर (राज.), पिनकोड - 303702

सभी प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर के
मौके पर हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेश विजयवर्गीय
पूर्व नगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, चौमूं
9314020127

सभी देशवासियों को
ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
अब्दुल रशीद
प्रिन्स मेडिकल स्टोर, कीटनाशक शॉप , दु. नं. 89,
पट्टी वालों का कॉम्प्लेक्स, घोड़ा निकास रोड, रामगंज, जयपुर

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
ईद मुबारक
चाँद कुरैशी - 9352367108
200ft बाईपास, सर्विस लाइन झोटवाड़ा, जयपुर

ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद
दरगाह हजरत दौलतशाह
बाबा रह. अलेह, चौमूं, जिला-जयपुर
इक़बाल हुसैन
सदस्य : वक़्फ़ बोर्ड कमेटी
Mobile No. 9352102177

चाय का असली स्वाद, नागोरी के साथ!
कैफ़े नागौरी टी एण्ड कॉफी
आप की सेवा में हाजिर है ।
नागौरी चाय
नेस कॉफी
मसाला छाछ
गरम दूध
मक्खन लस्सी
मस्का पाव
मिनरल वाटर
नूडल्स मैगी
शॉप पर आने के लिए QR कोड स्कैन करे
7718087784
ताज बिरयानी सेंटर के सामने संजय नगर चौराहा झोटवाड़ा
सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद
सुलेमान भाई नागौरी
Mob. 9462494071

सभी प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर की
हार्दिक शुभकामनाएं
राधिका सैनी
पार्षद : वार्ड नं. 40 कांग्रेस
नगर परिषद चौमूं
अभिषेक सैनी
प्रदेश सचिव, कांग्रेस,
राजस्थान 9887697888

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या दुनिया में साजिश और ब्लैकमेलिंग का अंत हो गया है ?

सोशल मीडिया पर इजराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ईरानी मिसाईल हमले में मौत के वीडियो वायरल हो रहे हैं। लेकिन बेंजामिन नेतन्याहू की मौत की पुष्टि इज़राईल और अमेरिका की तरफ से अभी तक नहीं की गई है। इसलिए अभी तक नेतन्याहू की मौत पर असमंजस बना हुआ है। इजराईली प्रधानमंत्री एक मामूली यहूदी नेता नहीं थे। वैसे तो यहूदी कौम की पहचान साजिशों के लिए जानी जाती है। जर्मनी के तानाशाह शासक एडोल्फ हिटलर ने जर्मनी में यहूदियों की साजिशों से तंग आकर करीब 60 लाख यहूदी लोगों की हत्या कर दी थी और एक छोटी संख्या को छोड़कर जर्मनी से भगा दिया गया था। हिटलर ने कहा था कि मैं कुछ यहूदियों को इसलिए मरने से छोड़ रहा हूं कि आने वाले दिनों में दुनिया देखेगी कि मैंने (हिटलर) यहूदियों को क्यों मारा। जिन यहूदियों ने जर्मनी से भाग कर फिलिस्तीन में आकर शरण ली थी और बाद में वहीं फिलिस्तीन में आबाद हो गए। यहूदियों ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। जिस फिलिस्तीन में शरण ली थी, यहूदियों ने उन्हीं फिलिस्तीनियों पर अत्याचार शुरू कर दिये ।यहूदियों ने हिटलर की बात को चरितार्थ करते हुए फिलिस्तीनियों की जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया और वहां एक नया देश इजराईल बना दिया। इजराईल देश में रहने वाले यहूदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने इजराईल के आस-पास पड़ौसी मुस्लिम देशों को बर्बाद करने, उन पर कब्जा करने और मुस्लिमों को विश्व में बदनाम करने की साजिश शुरू कर दी। इजराईल यहूदी जो तेज दिमाग रखने की पहचान बना चुके थे, अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के नेताओं, ब्यूरोक्रेट् और अन्य को अपनी ग्रिप में लेना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे अमेरिका भी इजराईल की साजिशों में दिखाई देने लगा। इजराईल ने दर्जनों देशों के नेताओं को विभिन्न अनैतिक गतिविधियों में फंसाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इजराईल के ब्लैकमेलिंग से विश्व के कई नेता डरे हुए हैं और अपने-अपने देश का बड़ा नुकसान कर रहे हैं। इजराईल के प्रधानमंत्री और इजराईल की खुफिया एजेंसी ब्लैकमेलिंग कुख्यात एजेंसी मानी जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी एपिस्टीन फाइल के जरिये ब्लैकमेल किया गया। इजराईल के प्रधानमंत्री ने ब्लैकमेल करके डोनाल्ड ट्रंप को ईरान पर एअर अटैक करने पर मजबूर किया। अमेरिका नहीं चाहते हुए भी ईरान से युद्ध लड़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक तरफ ईरान से हारने का डर सता रहा है तो दूसरी तरफ एपिस्टीन फाइल में दबी हुई जानकारी खुलने का डर सता रहा है। अमेरिकी जनता राष्ट्रपति ट्रंप की युद्ध नीति की आलोचना और विरोध कर रही है। लेकिन अब डोनाल्ड ट्रंप ईरान के युद्ध में उलझते जा रहे हैं। ट्रंप को युद्ध बंद करने के रास्ते तलाश करने पड़ रहे हैं, लेकिन रास्ते दिखाई नहीं दे रहे हैं। दूसरी तरफ ईरान ने इजराईल और अमेरिका को युद्ध क्षेत्र में भारी नुकसान तो पहुंचाया ही है साथ में आर्थिक मोर्चे पर कमर तोड़कर रख दी है। नेतन्याहू की मौत की खबर भी दुनिया को आश्चर्यचकित कर रही है। क्योंकि इजराईल मजबूत रक्षा कवच होने का दंभ भरता था और अपनी डिफेंस तकनीक पर इतराता था। लेकिन अब वही इजराईल ईरान के सामने बेबस नजर आ रहा है। नेतन्याहू की मौत को यह भी माना जा रहा है कि अब दुनिया से साजिशों और ब्लैकमेलिंग के एक युग का अंत हो गया है।

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान - महान शहनाई वादक

"भारत रत्न" से सम्मानित

(जन्म 21 मार्च 1916 – 21 अगस्त 2006)

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, जिन्हें अक्सर उस्ताद की उपाधि से जाना जाता है, एक भारतीय संगीतकार थे जिन्होंने शहनाई वाद्य यंत्र को लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्राप्त किया । उनकी वादन प्रतिभा ने उन्हें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के अग्रणी कलाकारों में से एक बना दिया, जिससे उनका नाम शहनाई वाद्य यंत्र के साथ अमिट रूप से जुड़ गया। हालांकि शहनाई का महत्व एक लोक वाद्य यंत्र के रूप में था । जिसे मुख्य रूप से पारंपरिक समारोहों में प्रशिक्षित संगीतकारों द्वारा बजाया जाता था, खान ने इसकी स्थिति को ऊंचा उठाया और इसे संगीत मंच पर लाया।

खान एक धर्म-निष्ठ मुसलमान थे, लेकिन वे हिंदू और मुस्लिम दोनों समारोहों में प्रस्तुति देते थे और उन्हें धार्मिक सद्भाव का प्रतीक माना जाता था। अपनी प्रसिद्धि के कारण, उन्हें 15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता के अवसर पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में भारतीय ध्वज फहराए जाने के समारोह में प्रस्तुति देने के लिए चुना गया था। उनका संगीत (राग काफ़ी में) हर स्वतंत्रता दिवस पर टेलीविजन पर बजाया जाता था। खान ने 1966 से पहले अन्य देशों में प्रस्तुति देने के निमंत्रण ठुकरा दिए थे, जब भारतीय सरकार ने उनसे एडिनबर्ग अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव में प्रस्तुति देने का आग्रह किया। इससे उन्हें पश्चिम में लोकप्रियता मिली और उसके बाद वे यूरोप और उत्तरी अमेरिका में प्रस्तुति देते रहे।

2001 में, बिस्मिल्लाह खान को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया और 2006 में उनकी मृत्यु के बाद देश ने राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया। वे एमएस सुब्बालक्ष्मी और रवि शंकर के बाद भारत रत्न से सम्मानित होने वाले भारत के तीसरे शास्त्रीय संगीतकार बने।

बिस्मिल्लाह खान का जन्म 21 मार्च 1916 को भारत के बड़े शहर दुमरांव में पारंपरिक मुस्लिम संगीतकारों के परिवार में पैगंबर बक्स खान और मित्थनबाई के दूसरे पुत्र के रूप में हुआ था। उनके पिता दुमरांव राज के महाराजा केशव प्रसाद सिंह के दरबार में दरबारी संगीतकार थे । उनके दोनों दादा उस्ताद सालार हुसैन खान और रसूल बक्स खान भी दुमरांव महल में संगीतकार थे। जन्म के समय उनका नाम कमरुद्दीन रखा गया था, जो उनके बड़े भाई शम्सुद्दीन के नाम से मिलता-जुलता था। नवजात शिशु को देखकर, उनके दादा रसूल बख्श खान, जो स्वयं भी शहनाई वादक थे, ने कथित तौर पर "बिस्मिल्लाह" कहा, और उसके बाद से वे उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम से जाने जाने लगे।

तीन वर्ष की आयु में, वे उत्तर प्रदेश राज्य के वाराणसी चले गए, जिसे उस समय बनारस के नाम से जाना जाता था, अपने मामा अली बक्स 'विलायतु' खान के पास प्रशिक्षु के रूप में, जो काशी विश्वनाथ मंदिर से जुड़े एक शहनाई वादक थे। 14 वर्ष की आयु में, बिस्मिल्लाह अपने मामा के साथ इलाहाबाद संगीत सम्मेलन में गए। वे प्रतिदिन गंगा नदी के किनारे शहनाई का अभ्यास करते थे।

बिस्मिल्लाह खान ने विभिन्न स्टेज शो में प्रस्तुति देकर अपने करियर की शुरुआत की। उन्हें 1937 में पहला बड़ा मौका मिला, जब उन्होंने कोलकाता में अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन में एक संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने शहनाई को प्रसिद्धि दिलाई और संगीत प्रेमियों द्वारा इसकी बहुत सराहना की गई। इसके बाद उन्होंने अफगानिस्तान, अमेरिका, कनाडा, बांग्लादेश, ईरान, इराक, पश्चिम अफ्रीका, जापान, हांगकांग और यूरोप के विभिन्न हिस्सों सहित कई देशों में प्रस्तुति दी। अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने दुनिया भर के कई प्रमुख कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। इनमें मॉन्ट्रियल में विश्व प्रदर्शनी , कान कला महोत्सव और ओसाका व्यापार मेला शामिल हैं।

बिस्मिल्लाह खान अपनी कुशलता का श्रेय नाथ (शिव) के आशीर्वाद को देते थे और मानते थे कि वे अपने शिष्यों को बहुत कम सिखा सकते हैं। खान बहुत कम ही छात्रों को स्वीकार करते थे। उनका मानना था कि यदि वे अपना ज्ञान साझा कर सकें तो यह उपयोगी नहीं होगा क्योंकि इससे उनके छात्रों को केवल थोड़ा सा ही ज्ञान प्राप्त होगा। उनके सबसे वरिष्ठ शिष्यों में से एक पंडित शैलेश भगवत हैं, जिन्हें स्वयं उस्ताद जी ने "द्वितीय बिस्मिल्लाह " घोषित किया था। पंडित भगवत ने उस्ताद जी के मार्ग-दर्शन में 40 वर्षों तक अध्ययन किया है। उनके कुछ अन्य उल्लेखनीय शिष्यों में पद्मश्री पुरस्कार विजेता पंडित एस बल्लेश भजंत्री, जिन्हें दक्षिणा भारत बिस्मिल्लाह खान के नाम से जाना जाता है, और उनके पुत्र कृष्ण बल्लेश भजंत्री, और खान के अपने पुत्र नाज़िम हुसैन, ज़मीन हुसैन और नय्यर हुसैन शामिल हैं ।17 मार्च 2006 को बिस्मिल्लाह खान की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें इलाज के लिए वाराणसी के हेरिटेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। खान की अंतिम इच्छा - इंडिया गेट पर प्रस्तुति देना - पूरी नहीं हो सकी। वे शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते थे। उनका इंतजार व्यर्थ ही समाप्त हो गया। 21 अगस्त 2006 को 90 वर्ष की आयु में हृदयाघात से उनका निधन हो गया। भारत सरकार ने उनकी मृत्यु पर एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया । उनके पार्थिव शरीर को शहनाई सहित पुराने वाराणसी के फातेमान कब्रिस्तान में एक नीम के पेड़ के नीचे भारतीय सेना की 21 तोपों की सलामी के साथ दफनाया गया।

शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की तस्वीर भारत के 2008 के डाक टिकट पर अंकित है।

संगीत नाटक अकादमी , नई दिल्ली ने 2006 में उनके सम्मान में उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार की स्थापना की । यह पुरस्कार संगीत, रंगमंच और नृत्य के क्षेत्र में युवा कलाकारों को दिया जाता है। बिहार सरकार ने दुमरांव स्थित उनके जन्मस्थान पर एक संग्रहालय, एक टाउन हॉल-सह-पुस्तकालय और उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। [19]

बिस्मिल्लाह खान को उनकी 102वीं जयंती पर सर्च इंजन गूगल द्वारा याद किया गया, जिसने 21 मार्च 2018 को अपने भारतीय होम पेज पर उनके लिए एक विशेष डूडल दिखाया।

डॉक्यूमेंट्री फिल्म एरिक क्लैप्टन: लाइफ इन 12 बार्स में , क्लैप्टन बिस्मिल्लाह खान को एक प्रेरणा के रूप में उद्धृत करते हैं और कैसे उन्होंने खान के वुडविंड वाद्य यंत्र के संगीत की नकल करने के लिए अपने गिटार का उपयोग करने की कोशिश की।

खान का भारत में फिल्मों से संक्षिप्त जुड़ाव रहा। उन्होंने विजय की कन्नड़ फिल्म 'सनादी अप्पन्ना' में राजकुमार के अप्पन्ना के किरदार के लिए शहनाई बजाई , जो एक ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई। उन्होंने सत्यजीत रे की फिल्म 'जलसाघर' में अभिनय किया और विजय भट्ट की फिल्म 'गूंज उठी शहनाई ' (1959) में भी शहनाई बजाई ।

प्रख्यात निर्देशक गौतम घोष ने खान के जीवन पर आधारित एक भारतीय वृत्तचित्र फिल्म 'संगे मील से मुलाकात' (1989) का निर्देशन किया था ।

मुग़ल-ए-आज़म के निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक थे- के. आसिफ

के. आसिफ एक भारतीय फिल्म निर्देशक, फिल्म निर्माता और पटकथा लेखक थे, जो अपनी ऐतिहासिक फिल्म मुगल-ए-आजम (1960) के लिए जाने जाते हैं। आसिफ का जन्म 14 जून 1922 को भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के इटावा में डॉ. फजल करीम और बीबी गुलाम फातिमा के घर हुआ था। आसिफ बॉम्बे चले गए और बाद में उन्होंने के. आसिफ का पेशेवर नाम अपनाया। वे अंततः एक सफल फिल्म निर्देशक और निर्माता बने। उनकी निर्देशन में बनी पहली फिल्म फूल (1945), बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही। 1944 में आसिफ ने मुगल सम्राट अकबर महान की दरबारी नर्तकी के जीवन और काल पर आधारित फिल्म मुगल-ए-आजम बनाने की योजना बनाई थी, जो सैयद इम्तियाज अली ताज द्वारा लिखित उर्दू उपन्यास 'अनारकली' पर आधारित थी। इसमें चंद्रमोहन मुख्य पुरुष भूमिका में और उस समय की उभरती अभिनेत्री नर्गिस मुख्य महिला भूमिका में थीं। हालाँकि, 1946 में, फिल्म का निर्माण शुरू होने से पहले ही, मुख्य पुरुष कलाकार चंद्रमोहन का निधन हो गया। उस समय, आसिफ ने फिल्म को अगली सूचना तक अस्थायी रूप से रोक दिया। उन्होंने फिल्म हलचल का निर्माण किया और इसे 1951 में रिलीज़ किया। उस समय, आसिफ ने दिलीप कुमार को मुख्य पुरुष भूमिका में और मधुबाला को मुख्य महिला भूमिका में लेकर मुगल-ए-आजम की पुनर्रचना की और उसी वर्ष फिल्म का निर्माण शुरू किया। 1960 में, बारह वर्षों के निर्माण के बाद, मुगल-ए-आजम रिलीज़ हुई और पूरे भारत में खचाखच भरे सिनेमाघरों में एक बड़ी हिट साबित हुई। मुगल-ए-आजम की रिलीज और सफलता के बाद, आसिफ

ने लव एंड गॉड नामक एक और फिल्म बनाने की योजना बनाई, जो पूरी तरह से रंगीन में बनने वाली उनकी पहली निर्देशित फिल्म थी, और उन्होंने इसका निर्माण शुरू कर दिया। फिल्म में गुरु दत्त मुख्य पुरुष भूमिका में और निम्मी मुख्य महिला भूमिका में थीं। हालांकि, 1964 में, जब मुख्य अभिनेता गुरु दत्त का निधन हो गया, तो शूटिंग रुक गई। आसिफ ने संजीव कुमार को मुख्य पुरुष भूमिका में लिया और फिल्म का निर्माण फिर से शुरू किया। फिल्म के निर्माण के दौरान, 9 मार्च 1971 को 48/49 वर्ष की आयु में के. आसिफ का निधन हो गया और फिल्म अधूरी रह गई। 1986 में, आसिफ की वरिष्ठ विधवा, अख्तर आसिफ (दिलीप कुमार की छोटी बहन) ने फिल्म को अपूर्ण रूप में रिलीज किया। के. आसिफ ने चार बार विवाह किया। उनकी पहली पत्नी निगार सुल्ताना थीं, जिन्हें उनके परिवार ने स्वीकार किया और उनका स्वागत किया। उनके अन्य विवाहों के बावजूद, वह अपनी मृत्यु तक उनके साथ रहीं और आसिफ के छह बच्चों की माँ थीं। आसिफ की दूसरी पत्नी गायिका और अभिनेत्री सितारा देवी थीं । उनका विवाह असामान्य परिस्थितियों में हुआ था। आसिफ की एक बहन सिकंदर बेगम थीं, जिनकी शादी उनके चचेरे भाई अभिनेता नज़ीर अहमद खान (दिलीप कुमार के भाई अभिनेता नासिर खान से भ्रमित न हों) से हुई थी। नज़ीर अहमद खान को सितारा देवी से प्रेम हो गया और उन्होंने सिकंदर बेगम से विवाहित रहते हुए ही उनसे विवाह कर लिया; भारत में एक मुस्लिम पुरुष एक साथ चार पत्नियां रख सकता था। आसिफ सितारा देवी के प्रति आसक्त हो गए, जो उनकी बहन की सौतन और उनके चचेरे भाई की दूसरी पत्नी थीं। नज़ीर और सितारा का जल्द ही तलाक हो गया, और कुछ समय बाद ही आसिफ ने सितारा से विवाह कर लिया, इस प्रकार सितारा क्रमशः सिकंदर बेगम के पति और भाई की पत्नी बन गईं। हालांकि, आसिफ और सितारा का विवाह कुछ ही महीनों तक चला और जल्द ही उनका तलाक हो गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि तब तक आसिफ को अभिनेत्री निगार सुल्ताना से प्यार हो गया था, जिन्होंने आसिफ की महान कृति ' मुगल-ए-आजम ' में बहार की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी । आसिफ ने सितारा देवी को तलाक दे दिया, जाहिर तौर पर उनके आग्रह पर, और निगार सुल्ताना से शादी कर ली। दक्षिण भारत के हैदराबाद में जन्मी निगार सुल्ताना की पहले अभिनेता/निर्देशक एस.एम. यूसुफ से शादी हुई थी। उस शादी से कोई संतान नहीं हुई थी और 1947 में भारत के विभाजन के कुछ वर्षों बाद यूसुफ के पाकिस्तान चले जाने पर उनका तलाक हो गया था । आसिफ और निगार सुल्ताना की एक बेटी हुई, जो छोटी-मोटी अभिनेत्री हीना कौसर थीं , जिन्होंने कई भुला देने वाली फिल्मों में छोटी भूमिकाएँ निभाईं। आसिफ की चौथी और आखिरी पत्नी अख्तर थीं, जो अभिनेता दिलीप कुमार की छोटी बहन थीं । आसिफ और अख्तर की जान-पहचान तब हुई जब आसिफ 'मुगल-ए-आजम' की शूटिंग के दौरान दिलीप कुमार के घर अक्सर जाया करते थे। कहा जाता है कि दिलीप कुमार अपनी बहन की आसिफ से शादी को लेकर बेहद नाखुश थे, और इसी वजह से दिलीप कुमार और आसिफ के बीच का मतभेद कभी दूर नहीं हो पाया। अख्तर बेगम और आसिफ 1971 में आसिफ की मृत्यु तक विवाहित रहे। अख्तर बेगम ने ही आसिफ की आखिरी फिल्म " लव एंड गॉड " के निर्माण और रिलीज को सुनिश्चित किया, जो आसिफ की मृत्यु के पंद्रह साल बाद 1986 में रिलीज हुई।

रोज़ा क़िस्त चार

जो शख़्स खुशी से अपनी ज़रूरत से ज्यादा माल में से खुदा का हक़ निकालता है और उसके बन्दों की मदद करता है, वही अल्लाह के काम का आदमी है और वही इस लाइक़ है कि ईमानदारों में उसकी गिनती की जाए। और जिसका दिल इतना तंग है कि वह इतनी ज़रा-सी कुरबानी भी खुदा के लिए सहन नहीं कर सकता, वह अल्लाह के किसी काम का नहीं। वह हरगिज़ इस लाइक़ नहीं कि ईमानवालों की जमाअत में दाखिल किया जाए। वह तो जिस्म का एक सड़ा हुआ हिस्सा है। जिसे जिस्म से अलग ही कर देना बेहतर है, वरना सारे जिस्म को सड़ा देगा। यही वजह है कि हज़रत मुहम्मद (सल्ल.) की वफ़ात के बाद जब अरब के कुछ क़बीलों ने ज़कात देने से इनकार कर दिया तो हज़रत अबू-बक्र (रजि.) ने उनसे उस तरह जंग की, जैसे इस्लाम के दुश्मनों से (जंग) की जाती है, हालाँकि वे लोग नमाज़ पढ़ते थे, खुदा व रसूल को मानते थे। इससे मालूम हुआ कि ज़कात के बिना नमाज़, रोज़ा और ईमान की शहादत सब बेकार है। किसी चीज़ का भी एतिबार नहीं किया जा सकता। तमाम नबियों की उम्मत पर ज़कात का फ़र्ज़ होना कुरआन मजीद उठाकर देखिए। आपको नज़र आएगा कि पुराने ज़माने में सारे नबियों की उम्मतों को नमाज़ और ज़कात का हुक्म लाज़िमी तौर पर दिया गया है, और दीने-इस्लाम कभी किसी नबी के ज़माने में भी इन दो चीज़ों से ख़ाली नहीं रहा। हज़रत इबराहीम (अलैहि.) और उनकी नस्ल के नबियों का ज़िक्र करने के बाद अल्लाह फ़रमाता है- "हमने उनको इनसानों का पेशवा बनाया और वे हमारे हुक्म के मुताबिक़ लोगों की रहनुमाई करते थे। हमने वह्य के ज़रिए से उनको नेक काम करने, नमाज़ पढ़ने और ज़कात देने की तालीम दी, और वे हमारे इबादतगुज़ार बन्दे थे।" (कुरआन, सूरा-21 अम्बिया, आयत-73) हज़रत इसमाईल (अलैहि.) के बारे में कहा गया- "वे अपने लोगों को नमाज़ और ज़कात का हुक्म देते थे और वे अपने रब के नज़दीक पसन्दीदा थे।"(कुरआन, सूरा-19 मरयम, आयत-55) हज़रत मूसा (अलैहि.) ने अपनी क़ौम के लिए दुआ की कि खुदाया ! हमें इस दुनिया की भलाई भी दे और आख़िरत की भलाई भी। आपको मालूम है कि इसके जवाब में अल्लाह तआला ने क्या फ़रमाया? जवाब में कहा गया- मैं अपने अज़ाब में जिसे चाहूँगा घेर लूँगा, हालाँकि मेरी रहमत हर चीज़ पर छाई हुई है। मगर उस रहमत को मैं उन ही लोगों के हक़ में लिखूँगा जो मुझसे डरेंगे और ज़कात देंगे और हमारी आयतों पर ईमान लाएँगे।" (कुरआन, सूरा-7 आराफ़, आयत-156) हज़रत मूसा (अलैहि.) की क़ौम चूँकि छोटे दिल की थी और रुपये पर जान देती थी, जैसा कि आज भी यहूदियों का हाल आप देखते हैं, इसलिए अल्लाह तआला ने इतने बड़े मर्तबेवाले पैग़म्बर की दुआ के जवाब में साफ़ फ़रमा दिया कि तुम्हारी उम्मत अगर ज़कात की पाबन्दी करेगी तब तो उसके लिए मेरी रहमत का वादा है, वरना अभी से साफ़ सुन रखो कि वह मेरी रहमत से महरूम हो जाएगी और मेरा अज़ाब उसे घेर लेगा। इसी वजह से मूसा (अलैहि.) के बाद भी बार-बार बनी-इसराईल को इस बात पर चेतावनी दी जाती रही, बार-बार उनसे वादे लिए गए कि अल्लाह के सिवा किसी की इबादत न करें और नमाज़ व ज़कात की पाबन्दी करें, (कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-83) यहाँ तक कि आख़िर में साफ़ नोटिस दे दिया गया- "और अल्लाह ने फ़रमाया कि (ऐ बनी-इसराईल!) मैं तुम्हारे साथ हूँ अगर तुम नमाज़ पढ़ते और ज़कात देते रहो और मेरे रसूलों पर ईमान लाओ और जो रसूल आएँ उनकी मदद करो, और अल्लाह को अच्छा क़र्ज़ दो तो मैं तुम्हारी बुराइयाँ तुमसे दूर कर दूँगा।" (कुरआन, सूरा-5 माइदा, आयत-12) अल्लाह के रसूल (सल्ल.) से पहले आखिरी नबी हज़रत ईसा (अलैहि.) थे। उनको भी अल्लाह तआला ने नमाज़ और ज़कात का साथ-साथ हुक्म दिया, जैसा कि दूसरी जगह कुरआन में है- "अल्लाह तआला ने मुझे बरकत दी जहाँ भी मैं हूँ और मुझे हिदायत फ़रमाई कि नमाज़ पढ़ूँ और ज़कात देता रहूँ जब तक ज़िन्दा रहूँ।" (कुरआन, सूरा-19 मरयम, आयत-31) इससे मालूम हो गया कि दीने-इस्लाम शुरू ही से हर नबी के ज़माने में नमाज़ और ज़कात के इन दो बड़े सुतूनों पर क़ायम हुआ है और कभी ऐसा नहीं हुआ कि खुदा पर ईमान रखनेवाली किसी उम्मत को भी इन दो फ़र्ज़ों से माफ़ रखा गया हो। उम्मते-मुस्लिमा पर ज़कात का फ़र्ज़ होना अब देखिए कि हज़रत मुहम्मद (सल्ल.) की शरीअत में ये दोनों फ़र्ज़ किस तरह साथ-साथ लगे हुए हैं। कुरआन मजीद खोलते ही सबसे पहले जिन आयतों पर आपकी नज़र पड़ती है, वे क्या हैं? वे यह हैं- "यह कुरआन अल्लाह की किताब है, इसमें कोई शक नहीं। यह परहेज़गारों को दुनिया में ज़िन्दगी का सीधा रास्ता बताता है, और परहेज़गार वे लोग हैं जो गैब पर ईमान लाते हैं और नमाज़ पढ़ते हैं और जो रोज़ी हमने उनको दी है उसमें से (खुदा की राह में) ख़र्च करते हैं।" (कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयतें-2, 3) फिर फ़रमाया- "ऐसे ही लोग अपने रब की तरफ़ से हिदायत पाए हुए हैं और कामयाबी ऐसे ही लोगों के लिए है।" (कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-5) यानी जिनमें ईमान नहीं और जो नमाज़ और ज़कात के पाबन्द नहीं वे न हिदायत पर हैं और न उन्हें कामयाबी मिल सकती है। इसके बाद इसी सूरा बनरा को पढ़ते जाइए। कुछ पन्नों के बाद फिर हुक्म होता है- "नमाज़ की पाबन्दी करो और ज़कात दो और रुकू करनेवालों के साथ रुकू करो (यानी जमाअत के साथ नमाज़ पढ़ी)।"(कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-43) फिर थोड़ी दूर आगे चलकर इसी सूरा में कहा गया- "नेकी सिर्फ़ इसका नाम नहीं है कि पूरब या पश्चिम की तरफ़ तुमने मुँह कर लिया, बल्कि नेकी उस शख़्स की है जिसने अल्लाह और आखिरत और फ़रिश्तों और अल्लाह की किताबों और पैग़म्बरों पर ईमान रखा और अल्लाह की मुहब्बत में अपने ज़रूरतमन्द रिश्तेदारों और यतीमों और मिसकीनों और मुसाफ़िरों और माँगनेवालों पर अपना माल ख़र्च किया, और (लोगों को क़र्ज़ या गुलामी या क़ैद से) गर्दनें छुड़ाने में मदद दी और नमाज़ की पाबन्दी की और ज़कात अदा की। और नेक लोग वे हैं जो वादा करने के बाद अपने वादे को पूरा करें और मुसीबत और नुक़सान और जंग के मौक़े पर सब्र के साथ हक़ की राह पर डट जाएँ। ऐसे ही लोग सच्चे मुसलमान हैं और ऐसे ही लोग मुत्तक़ी व परहेज़गार हैं।" (कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-177) फिर आगे देखिए ! सूरा माइदा में क्या इरशाद होता है- "मुसलमानो ! तुम्हारे सच्चे दोस्त और मददगार सिर्फ़ अल्लाह, रसूल और ईमानदार लोग हैं, यानी ऐसे लोग जो नमाज़ पढ़ते और ज़कात देते और अल्लाह के आगे झुकते हैं। फिर जो शख़्स अल्लाह और रसूल और ईमानदार लोगों को दोस्त बनाए, वह अल्लाह की जमाअत (पार्टी) का आदमी है, और अल्लाह की जमाअत (पार्टी) ही छा जानेवाली है। (कुरआन, सूरा-5 माइदा, आयतें-55, 56) अहले-ईमान की निशानी, नमाज़ व ज़कात इन बेहतरीन आयतों में एक बड़ा क़ायदा बयान किया गया है। सबसे पहले तो इन आयतों से आपको मालूम हो गया कि ईमानवाले सिर्फ़ वे लोग ही हैं जो नमाज़ पढ़ते और ज़कात देते हैं। इस्लाम के इन दो अरकान से जो लोग मुँह फेरें, उनके ईमान का दावा ही झूठा है। फिर इस आयत से यह मालूम हुआ कि अल्लाह और रसूल (सल्ल.) और ईमानवालों की एक पार्टी है और ईमानदार आदमी का काम यह है कि सबसे अलग होकर इस पार्टी में शामिल हो जाए। जो मुसलमान इस पार्टी से बाहर रहनेवाले किसी शख़्स को चाहे वह बाप हो, भाई हो, बेटा हो, पड़ोसी हो या हम-वतन हो, या कोई भी हो, अगर वह उसको अपना दोस्त बनाएगा और उससे मुहब्बत व मददगारी का ताल्लुक़ रखेगा तो उसे यह उम्मीद न रखनी चाहिए कि अल्लाह उससे मददगारी का ताल्लुक़ रखना पसन्द फ़रमाएगा। सबसे आख़िर में इस आयत से यह भी मालूम हुआ कि ईमानवालों को दुनिया में ग़लबा उसी वक़्त हासिल हो सकता है, जब वे यकसू होकर अल्लाह और रसूल (सल्ल.) और सिर्फ़ ईमानवालों ही को अपना वली, मददगार, दोस्त और साथी बनाएँ। इस्लामी बिरादरी की बुनियादें अब आगे चलिए! सूरा-9 तौबा में अल्लाह तआला ने मुसलमानों को उन काफ़िरों व मुशरिकों से जंग का हुक्म दिया जो इस्लाम और मुसलमानों को मिटाने पर तुले हैं, और लगातार कई रुकू तक जंग ही के बारे में हिदायतें दी हैं। इस सिलसिले में इरशाद होता है- "फिर अगर वे कुन व शिर्क से तौबा करें, ईमान ले आएँ और नमाज़ पढ़ें और ज़कात दें, तो वे तुम्हारे दीनी भाई हैं।" (कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयत-11) यानी सिर्फ़ कुन व शिर्क से तौबा करना और ईमान का इक़रार कर लेना काफ़ी नहीं है। इस बात का सुबूत कि वे वाक़ई कुक्त व शिर्क से तौबा कर चुके हैं और हक़ीक़त में ईमान लाए हैं, सिर्फ़ इस तरह मिल सकता है कि वे नमाज़ की पाबन्दी करें और ज़कात दें।

जारी........

फूल मोहम्मद - राजस्थान पुलिस के जांबाज़ योद्धा थे

17 मार्च पुण्यतिथि पर विशेष....

राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त हुए फूल मोहम्मद 1997 में इंस्पेक्टर बने। मूलत: सीकर जिले के खिरवा गांव के निवासी फूल मोहम्मद का परिवार जयपुर के झोटवाड़ा थाना इलाके में जोशी मार्ग पर रहता है। उनके परिवार में पत्नी और छह बच्चे हैं। सवाई माधोपुर के मान टाउन थाना क्षेत्र के सूरवाल गांव में 17 मार्च 2011 को लोग मृतका दाखा देवी के हत्यारो को गिरफ्तार करने और पीड़ित के परिजनों को मुआवजे की मांग कर रहे थे। इसी दौरान राजेश मीणा व बनवारी बोतलों में पेट्रोल लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गए और आत्महत्या करने की धमकी देने लगे। बनवारी को लोगो ने नीचे उतार लिया । लेकिन राजेश पेट्रोल से खुद को आग लगाकर टंकी से नीचे कूद गया। इससे मौके पर जमा भीड़ आक्रोशित हो गई और वहां मौजूद पुलिस जाप्ते को ही घेरकर दो पुलिस जीपो व बाइक को आग लगा दी। एक जीप में सवार मानटाउन थाना प्रभारी फूल मोहम्मद खान (42)

को ज़िन्दा जला दिया गया। पुलिस बल फूल मोहम्मद को जलता छोड़कर भाग खड़ा हुआ। शाम करीब साढ़े छह बजे तत्कालीन एसपी डॉ. विष्णुकांत खुद भारी संख्या में पुलिस जाप्ता लेकर मौके पर पहुंचे और हवाई फायर कर कस्बे में घुसने के बाद जीप से जला हुआ शव बरामद किया। इस जांबाज़ पुलिस अधिकारी को ज़िन्दा जला दिए जाने के बाद भी पुलिस वालो की नींद नहीं टूटी। वह बेइंतिहा लापरवाही का बार-बार सबूत देती रही। उनके शव को दो सिपाही जीप में रखकर ले गये, लेकिन जनाज़े के समय सरकार की ओर से कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था और नहीं पुलिस का कोई अधिकारी ही मौजूद था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक हाथ और एक पांव गुम होना बताया गया था, लेकिन पुलिस की ओर से इन्हें तलाशने की कोशिश नहीं की गई। मुकदमा दर्ज होने के बाद तीन दिन तक पुलिस अधिकारी मौक़े का मुआयना करने नहीं गए, नक्शा मौक़ा नही बनाया, घटना स्थल का सूक्ष्म निरीक्षण नहीं किया। तीन दिन के बाद पत्थरों के नीचे फूल मोहम्मद का एक हाथ और एक पांव बरामद किया गया। शव को पहले ही दफ्न कर दिया गया था अब मिले अन्य अंगो को भी दफ्न किया गया। इस मामले के प्रति पुलिस की लापरवाही के चलते पूरा हत्याकांड बिना किसी समुचित जांच और कार्रवाई के एक तरह से खत्म हो गया और साम्प्रदायिकता एवं पक्षपात का नया अध्याय रच गया। हमें नाज़ है इस बहादुर पुलिस अधिकारी पर, जिसने देश और समाज की खातिर ज़िन्दा जल जाना पसंद किया। कर्तव्य पथ पर अडिग रहने वाले इस जाँबाज योद्धा को सलाम !

भाजपा नेता जावेद कुरैशी ने जयपुर बाइस गोदाम सर्किल के पास मस्जिद में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के बाइस गोदाम सर्किल इलाके में रमज़ान के पाक महीने के दौरान इफ्तार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की पहल जावेद कुरैशी, जो बीजेपी से जुड़े कार्यकर्ता हैं, ने की। शाम के समय बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और रोज़ेदार एकत्र हुए। सभी ने एक साथ बैठकर रोज़ा खोला और दुआओं के साथ इफ्तार किया। इस मौके पर हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल हुए, जो गंगा-जमुनी तहज़ीब और भाईचारे का संदेश देने के रूप में देखा गया।

रमज़ान और रोज़ेदारों का महत्व:-

जावेद कुरैशी ने बताया कि रमज़ान का महीना इस्लाम में बेहद पाक और महत्वपूर्ण माना जाता है। इस महीने में मुसलमान रोज़ा रखते हैं और इबादत के साथ जरूरतमंदों की मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि रोज़ा रखने वाले और किसी रोज़ेदार को इफ्तार कराने वाले दोनों को पुण्य मिलता है। इसी सोच के तहत इस कार्यक्रम में लोगों को एक साथ बैठाकर रोज़ा खोलने और दुआ करने का अवसर दिया गया।

देश की अमन-शांति और भाईचारा:-

कार्यक्रम में जावेद कुरैशी ने बताया कि इफ्तार का आयोजन केवल खाना खिलाने के लिए नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा और एकता को बढ़ावा देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि लोग एकत्र होकर अमन और भाईचारे का माहौल बनाते हैं और देश की तरक्की के लिए दुआएं मांगते हैं। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री के लिए दुआ की, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा , प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर के लिए दुआ की और राजस्थान की प्रगति के लिए भी दुआ की। जावेद कुरैशी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में एकता और मेलजोल बढ़ता है और सभी धर्म और समुदाय के लोग मिलकर देश की भलाई के लिए दुआ करते हैं।

वैश्विक परिस्थितियों पर चर्चा:-

इस मौके पर जावेद कुरैशी ने देश और दुनिया की मौजूदा राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वैश्विक घटनाओं का असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है, इसलिए इस समय शांति और भाईचारा बनाए रखना ज़रूरी है। उन्होंने विश्व स्तर पर अमन और स्थिरता के लिए दुआ की और कहा कि शांतिपूर्ण माहौल में ही लोगों की खुशहाली और विकास संभव है।

युवाओं को जिम्मेदारी का संदेश:-

इस इफ्तार कार्यक्रम में उपस्थित हुसैन खान, बीजेपी अध्यक्ष, ने युवाओं को जिम्मेदारी निभाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि रमज़ान का महीना इबादत और संयम का है, इसलिए रात में बेवजह सड़कों पर घूमने या शोर-शराबा करने से बचना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें और युवा भी अपनी सेहत, परिवार और इबादत को ध्यान में रखें। हुसैन खान ने कहा कि ऐसा करने से युवा खुद भी सुरक्षित रहेंगे और समाज में भी अमन-शांति बनी रहेगी।

सरकारी मदरसों में टीचर्स दूसरे कामों में व्यस्त, छात्रों की सामान्य जानकारी बेहद कमजोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के चांदपोल बाजार क्षेत्र में तोपखाने का रास्ता स्थित एक मीनार मस्जिद के पास संचालित मदरसा निदाउल इस्लाम में आसपास के क्षेत्रों से कई बच्चे शिक्षा प्राप्त करने आते हैं।

यहां बच्चों को उर्दू की पढ़ाई कराई जाती है और नियमित कक्षाओं के माध्यम से उन्हें शिक्षित करने का प्रयास किया जाता है। क्षेत्र के कई परिवार अपने बच्चों को यहां पढ़ने के लिए भेजते हैं, जिससे यह स्थान बच्चों की पढ़ाई के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित:-

मदरसे में कुल मिलाकर लगभग चार शिक्षक हैं, जिनमें एक प्रिंसिपल भी शामिल हैं। हालांकि वर्तमान में शिक्षकों की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जानकारी के अनुसार दो शिक्षक बीएलओ ड्यूटी और अन्य कार्यों में लगे हुए हैं, जबकि कुछ शिक्षक कॉपियां जांचने जैसे कार्यों में व्यस्त हैं। ऐसे में नियमित रूप से कक्षाएं लेने के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हो पाते।

प्रिंसिपल ही संभाल रहीं पढ़ाई की जिम्मेदारी:-

शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण अधिकांश समय कक्षाओं की जिम्मेदारी प्रिंसिपल मैम के कंधों पर ही रहती है। वही बच्चों को पढ़ाने का काम संभालती हैं और कक्षाओं को संचालित करती हैं। लेकिन एक ही शिक्षक के लिए सभी कक्षाओं को संभालना आसान नहीं होता, जिसके कारण पढ़ाई का नियमित क्रम प्रभावित होने की स्थिति भी बनती है।

छात्रों की सामान्य जानकारी में कमी:-

स्कूल में बच्चों से बातचीत के दौरान जब उनसे राज्य के शिक्षा मंत्री का नाम पूछा गया तो कई छात्र इसका जवाब नहीं दे कुछ बच्चो ने जवाब दिया इससे छात्रों की सामान्य जानकारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं। शिक्षा से जुड़े जानकार मानते हैं कि नियमित पढ़ाई और शिक्षकों की उपलब्धता बच्चों की समझ और सामान्य ज्ञान को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत:-

शिक्षकों की कमी और विभिन्न प्रशासनिक ड्यूटी में व्यस्तता के कारण पढ़ाई का असर छात्रों पर पड़ता दिखाई देता है। ऐसे में यह जरूरी है कि शिक्षण कार्य के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हों और उन्हें अन्य कार्यों से यथासंभव मुक्त रखा जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई नियमित रूप से हो सके और उनकी शैक्षणिक तथा सामान्य जानकारी दोनों मजबूत हो सकें।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ठेंगा दिखा रहा नगर निगम: हुपरों में पार्टीशन के नाम पर बड़ा खेल, 4 बॉक्स गायब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी को स्वच्छता में सिरमौर बनाने के दावे उस समय खोखले साबित होते दिखे जब धरातल पर नगर निगम की कचरा संग्रहण गाड़ियां (हुपर) ही नियमों की धज्जियां उड़ाती पाई गईं। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद कि 1 अप्रैल से हर कचरा गाड़ी में गीला, सूखा, हानिकारक और सैनिटरी कचरे के लिए चार अलग-अलग बॉक्स होने अनिवार्य हैं, जयपुर नगर निगम की गाड़ियों में केवल पेंट का दिखावा कर 'बड़ा घोटाला' किया जा रहा है।

पार्टीशन के नाम पर सिर्फ पेंट, अंदर सब एक:-

'रॉयल पत्रिका' की टीम ने जब शहर के विभिन्न वार्डों में निगम की गाड़ियों का जायजा लिया, तो चौंकाने वाली स्थिति सामने आई। कचरा गाड़ियों के ऊपर गीला और सूखा कचरा तो लिख दिया गया है, लेकिन अंदर कोई पार्टीशन (दीवार) ही नहीं है। यानी जनता से अलग-अलग कचरा लेकर उसे वापस एक ही टैंक में मिलाया जा रहा है। हानिकारक और सैनिटरी कचरे के लिए जो छोटे बॉक्स लगाए गए हैं, उनमें से कई टूटे हुए हैं या कचरा डालने की स्थिति में ही नहीं हैं।

ठेकेदारों की मनमानी और सुपरवाइजरों की 'अज्ञानता':-

किशनपोल और लाल डूंगरी क्षेत्र में पड़ताल के दौरान जब हुपर चालकों और सुपरवाइजरों से सवाल पूछे गए, तो उनके जवाब हैरान करने वाले थे। बी-वाइस (B-Voice) कंपनी के हुपर चालकों ने बताया कि उन्हें गाड़ियां इसी हालत में मिली हैं। वहीं, मौके पर मौजूद सुपरवाइजर गौरी शंकर ने तो यहाँ तक कह दिया कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट के ऐसे किसी आदेश की जानकारी ही नहीं है। सवाल यह उठता है कि क्या निगम के आला अधिकारी और ठेकेदार मिलकर जनता की सेहत और अदालत के आदेश के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं?

कहाँ जा रहा है जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा?:-

निगम हर साल सफाई के नाम पर करोड़ों का बजट पास करता है। ठेकेदारों को नियमानुसार गाड़ियां चलाने का भुगतान किया जाता है, लेकिन बिना पार्टीशन की गाड़ियां चलाकर न केवल कचरे के पृथक्कीकरण (Segregation) की योजना को फेल किया जा रहा है, बल्कि डंपयार्ड तक पहुँचते-पूँचते सारा कचरा एक जैसा हो जाता है। इससे कचरा निस्तारण की पूरी प्रक्रिया ही बाधित हो रही है।

सावित्री बाई फुले को भारत रत्न देने की मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। माता सावित्री बाई फुले को पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय बौद्ध महासभा और भारतीय बौद्ध महासभा के नेतृत्व में 10 मार्च 2026 को जयपुर कलेक्टर को महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपते समय राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के राष्ट्रीय समन्वयक इंजीनियर डी पी गोलिया बौद्ध, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान जी एल आर्या, मान उत्तम सिंह राणा, एड रघुनाथ बौद्ध मान, प्रमोद कुमार दिवाकर, एस बी जाटव, महेश महोबिया सहित कई उपासक उपस्थित रहे। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी (IAS) कलेक्टर ने ज्ञापन राष्ट्रपति महोदया को भेजने का आश्वासन दिया। समिति ने माता सावित्री बाई फुले पुण्य तिथि को भारत रत्न देने, बौद्धगया BTC ACT 1949रद्द करने, पाली भाषा को छठी अनुसूची में शामिल करने, और सावित्री बाई फुले को शिक्षा संस्थानों में पढ़ाए जाने की मुख्य मांग को प्रस्तुत किया गया है।

जयपुर झोटवाड़ा में हमीद खान मेवाती ने राजा हसन खां मेवाती की शहादत दिवस पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया

-शहादत की याद में इफ्तार कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहीद राजा हसन खां मेवाती की शहादत के 499 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जयपुर में एक विशेष इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, समाजसेवी और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य इतिहास के वीरों की शहादत को याद करते हुए समाज में भाईचारे और एकता का संदेश देना था। रमज़ान के पाक महीने में आयोजित इस कार्यक्रम ने लोगों को एक साथ लाकर आपसी सौहार्द की भावना को मजबूत किया।

हमीद खान मेवाती ने किया आयोजन:-

कार्यक्रम और इफ्तार पार्टी का आयोजन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि शहीदों की कुर्बानियां समाज के लिए प्रेरणा हैं और नई पीढ़ी को अपने इतिहास और वीरों के बलिदान से अवगत कराना जरूरी है।

इतिहास से प्रेरणा लेने की अपील:-

कार्यक्रम के आयोजक हमीद खान मेवाती ने कहा कि इतिहास के वीरों की कुर्बानियां समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने इतिहास और उन शख्सियतों से परिचित कराया जाता है जिन्होंने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि शहादत की याद केवल इतिहास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें एकजुट रहने और समाज की बेहतरी के लिए काम करने की प्रेरणा देती है।

दुआओं के साथ किया गया रोज़ा इफ्तार:-

इफ्तार से पहले और नमाज़ के बाद सभी लोगों ने मिलकर देश में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए दुआ की। इसके बाद रोज़ेदारों ने एक साथ रोज़ा खोला और रमज़ान की बरकतों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक देखने को मिली, जहां अलग-अलग समुदायों के लोग एक ही स्थान पर इकट्ठा होकर इफ्तार में शामिल हुए।

कई गणमान्य लोग रहे मौजूद:-

इस अवसर पर देश के महामंत्री भूपेंद्र सैनी, चरण बबली, जयपुर ग्रामीण से सांसद राजेंद्र सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता और समाज के प्रमुख लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में गंगा-जमुनी तहज़ीब और आपसी सौहार्द की झलक देखने को मिली, जहां सभी लोगों ने एक साथ बैठकर इफ्तार किया और भाईचारे का संदेश दिया।

वक्फ कमेटी बारां की जानिब से रोज़ा अफ्तार और कार्यालय उद्घाटन प्रोग्राम सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला वक्फ कमेटी बारां द्वारा रविवार 15 मार्च को बाबा फूल पीर साहब जमात खाने में रोजा अफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही वक्फ कमेटी कार्यालय का उद्‌घाटन भी किया गया। प्रवक्ता शोएब अख्तर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी ओर पूरी टीम द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंता विधायक व पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया रहे। अध्यक्षता राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ के चेयरमैन राज्यमंत्री डॉ खानू खान बुधवाली ने की। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व चेयरमैन आबिद कागजी, पूर्व विधायक करण सिंह राठौड़, प्रदेश कॉग्रेस कमेटी के सचिव धर्मराज मेहरा, कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, काजी अब्दुल कय्यूम, हाजी मोहम्मद अशफाक, शिवशंकर यादव, बूंदी वक़्फ़ चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू, दानिश खान, छबड़ा वक़्फ़ सदर साजिद खान, बृजेश वर्मा, मांगरोल, अंता छबड़ा अटरू सहित जिले भर से लोग शामिल रहे। इस अवसर पर बोलते हुए अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि रमजान के पाक महीने की आप सभी को बधाई, उम्मीद करते हैं कि आप लोग अपना ईद का त्यौहार खुशी ओर ईश्वर को राज़ी करके मनाए। राजस्थान वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ खानू खान बुधवाली ने कहा कि रोजा हमे नफसानी ख्वाहिशातों को पर काबू पाना ओर राहें खुदा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देना सिखाता है। पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल ने कहा कि समाज के सभी लोग मिलजुल कर रहे, ओर आपसी सौहार्द बना रहे इस रमजान में ईश्वर से ऐसी कामना करता हूं। बारां वक़्फ़ चेयरमैन इरफान अंसारी ने सभी अतिथियों का आभार ओर सभी कमेटी के सदस्यों का सफल आयोजन पर आभार व्यक्त किया। अफ्तार कार्यक्रम के बाद वक्फ के कार्यालय का रिबन काटकर उद्‌घाटन किया गया। जाकिर मंसूरी ने प्रोग्राम के अंत मे धन्यावाद दिया। इस दौरान अब्दुल अजीज अंसारी, अब्दुल रशिद पठान, अब्दुल शकूर चिश्ती, अशरफ देशवाली, हाजी अब्दुल गनी, आबिद हुसैन अंसारी, नासिर मिर्ज़ा, शैख बहादुर, रईस अहमद, हक्का भाई, शाहिद कुंडी, अहमद शरीफ पार्षद, जमील अहमद, पिंकू भाई, अख़लाक़ अंसारी, जहीर अहमद व असलम राजा मौजूद रहे। मंच का संचालन साजिद खान ने किया।

नेशनल हाईवे सीमा 75 मीटर के विरोध में नागरिकों की आम सभा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राधा स्वामी बाग चौमूं, जाट हॉस्टल परिसर में नेशनल हाईवे के 75 मीटर का अधिग्रहण करने हेतु राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के कारण नेशनल हाईवे के दोनों तरफ व्यवसायिक दुकान, ढाबा, होटल, भवन आदि को अतिक्रमण समझ कर हटाया जाएगा। इसके संदर्भ में स्थानीय क्षेत्र के प्रभावित नागरिकों के द्वारा सभा का आयोजन किया गया है। जिससे उनके मौलिक अधिकारों, जीवन व आजीविका का संरक्षण को सुरक्षित किया जा सके। उसके लिए समग्र प्रकार से विचार विमर्श किया गया है। आम सभा को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट कृष्ण सिंह जादौन ने बताया कि, उक्त आदेश में माननीय हाई कोर्ट ने यह नहीं देखा कि जैसे जयपुर जिले में जेडीए की सीमा है उसका मास्टर प्लान क्या है? सेक्टर प्लान क्या है? और टाउन प्लान क्या है? तथा ग्राम पंचायत एवं नगर पालिका क्षेत्र का प्लान क्या है? तथा उनकी सड़क की सीमा क्या है इस इस प्रकार से सभी जगह अलग-अलग प्लान व नियम तथा कानून राज्य में स्थापित है। राजस्थान हाई कोर्ट का निर्देश प्राकृतिक न्याय के विपरीत एवं राज्य सरकार के कानून के विरुद्ध है। साथ ही हर जगह लोगों ने अपने मालिकाना हक की जमीन में दुकान, मकान, ढाबा, होटल आदि में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की हुई है एवं संपूर्ण राजस्थान में करोड़ों परिवारों की आजीविका का साधन है और वह अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं इस आदेश के तहत करोड़ परिवार अपनी संपत्ति से बेघर हो जाएंगे एवं बेरोजगारी फैल जाएगी एवं भूखे मरने की नौबत आ जाएगी अतः इस संबंध में हमें कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। भगवान सहाय भदाला ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया व संवैधानिक तरह से हमें विरोध करना चाहिए एवं महावीर शास्त्री ने कहा की जन आंदोलन किया जाकर मौलिक अधिकारों एवं मानव अधिकारों को सुरक्षित किया जा सके। सभा में किसान नेता फूलचंद सोलेट, महेश कुमार सिंगोदिया, धन्नाराम तो, मुरलीधर बर्रा, रामेश्वर प्रसाद यादव, अर्जुन लाल यादव, विकास सैनी, हरि नारायण, डॉक्टर महेश यादव, रामचंद्र भोंमाका, घीसाराम सैनी, राम अवतार शर्मा, सैकड़ो संख्या में पीड़ित उपस्थित रहे। आगे की कार्रवाई के लिए रामपुरा डाबड़ी खंडेलवाल होटल में दिनांक 22 मार्च 2026 को प्राप्त है 11:00 बजे रखी गई है जिसमें समग्र आंदोलन की तैयारी की घोषणा की जाएगी।

फार्म – 4
(नियम 8 देखिये)

1. समाचार पत्र का नाम	रॉयल पत्रिका
2. भाषा	हिन्दी
3. प्रकाशन का स्थान	जयपुर
4. प्रकाशन की अवधि	साप्ताहिक
5. मुद्रक का नाम	अम्बर ऑफ़सेट प्रा. लि.
(क्या भारतीय नागरिक है ?)	हाँ
पता	3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
6. प्रकाशक का नाम	मुन्ना खान
(क्या भारतीय नागरिक है ?)	हाँ
पता	4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार, जयपुर
7. संपादक का नाम	मुन्ना खान
(क्या भारतीय नागरिक है ?)	हाँ
पता	4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार, जयपुर
8. उन व्यक्तियों का नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्रा. लि. 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार,जयपुर

मैं मुन्ना खान एतद द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिये गये विवरण सत्य हैं।

ह.

दिनांक : 09 मार्च 2026

मुन्ना खान
प्रकाशक के हस्ताक्षर

पृष्ठ एक का शेष....

ईद-उल-फ़ित्र: त्यौहार से बढ़ कर........

यह सिर्फ रोज़े रखने या सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे रहने का महीना नहीं है, बल्कि आत्म-शुद्धि, अनुशासन और सामाजिक ज़िम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करने का समय भी है। कुरआन की आयत (2:183) में बताया गया है कि रोज़े का असली उद्देश्य तक़्वा यानी ईश-परायणता और आत्मिक शुद्धता को विकसित करना है। कुरआन में "तक़्वा वाले लोग (मुत्तकी) ऐसे लोगों को कहा गया है जो केवल नमाज़ और ज़कात अदा नहीं करते, बल्कि सत्यनिष्ठा, करुणा और कठिनाइयों में धैर्य से काम लेने वाले भी होते हैं।

वे अपने वादों को निभाते हैं, अपने परिवार के साथ खड़े रहते हैं और अनाथों व गरीबों पर दया करते हैं। ज़ाहिर है, ईद-उल-फ़ित्र सिर्फ एक त्यौहार नहीं है, बल्कि रमज़ान के दौरान मिले आध्यात्मिक और नैतिक प्रशिक्षण की व्यावहारिक परिणति है। यह धार्मिकता, कृतज्ञता और सामाजिक ज़िम्मेदारी जैसे मूल्यों के प्रति नई प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ईद केवल खुशी का दिन नहीं, बल्कि रमज़ान में सीखे गए सबक़ो को जीवन में उतारने और दूसरों के साथ अपनी खुशियों को साझा करने का अवसर भी है।

रमज़ान हमारे अंदर कौन से महत्वपूर्ण गुण पैदा करता है ?

आत्म-अनुशासनः भूख और इच्छाओं पर नियंत्रण की यह साधना इंसान के भीतर धैर्य और आत्म-शक्ति विकसित करती है। यह लालच, आवेग और बुरी प्रवृत्तियों से बचने में मदद करती है और नैतिक शुद्धता की ओर ले जाती है।

सहानुभूति और एकजुटताः भूख का अस्थायी अनुभव गरीबों और ज़रूरतमंदों की पीड़ा को महसूस करने में मदद करता है। इससे उदारता और दानशीलता स्वाभाविक बन जाती है। रमज़ान हमें यह याद दिलाता है कि गरीबों की तकलीफें पराई नहीं, बल्कि एक साझा मानव अनुभव है।

सामाजिक न्याय: इस्लाम सिखाता है कि धन का उचित वितरण होना चाहिए, और रमज़ान हमें यह याद दिलाता है कि जो संपन्न हैं, उन्हें ज़रूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। यह ज़िम्मेदारी ज़कात (वार्षिक दान) और सदक़ा-ए-फ़ित्र (ईद से पहले अनिवार्य दान) तथा और भी कई तरह के दान के रूप में निभाई जाती है, ताकि कोई भी भूखा और ईद की खुशीयों से वंचित न रहे।

ईद-उल-फ़ित्र का संदेश

रमज़ान के प्रशिक्षण को ध्यान में रखें तो ईद-उल-फ़ित्र केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि समाज, मानव मात्र के प्रति करुणा और सामाजिक न्यायकी शिक्षाओं को व्यवहार में लाने का अवसर है। यह हमें याद दिलाता है कि असली खुशी दिखावे और भौतिक वस्तुओं में नहीं, बल्कि ज़रूरतमंदों की मदद करने, एकता को बढ़ाने और दया व प्रेम के प्रसार में है।

ईद-उल-फ़ित्र का मूल संदेशः दान और समावेशिता

ईद-उल-फ़ित्र केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि इबादत और इंसानियत का संदेश है, जिसमें सदक़ा-ए-फ़ित्र एक अनिवार्य दान है, जिसे ईद की नमाज़ से पहले अदा करना ज़रूरी है। यह ज़कात से अलग है, जो वार्षिक रूप से संचित संपत्ति पर दी जाती है। सदक़ा-ए-फ़ित्र हर मुसलमान पर लागू होता है, उन बच्चों पर भी जो ईद के दिन ही पैदा हुए हैं (उनकी ओर से उनके परिजन अदा करते हैं) ताकि समाज के सबसे गरीब व्यक्ति भी ईद की खुशी में शामिल हो सकें।

इसका उद्देश्यः

पूर्ति रोज़े की कमियों की यह रमज़ान के दौरान हुई छोटी-छोटी गलतियों का प्रायश्चित है।

आर्थिक समावेशन यह सुनिश्चित करता है कि हर व्यक्ति, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, ईद को गरिमा के साथ मना सके।

सहानुभूति और एकजुटता यह सामाजिक न्याय की भावना को मज़बूत करता है और धन के केवल संपन्न वर्ग तक सीमित रहने की प्रवृत्ति को रोकता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसका विशेष महत्व

भारत में, जहां आर्थिक असमानताएं स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं, सदक़ा-ए-फ़ित्रका महत्व और बढ़ जाता है। कई मस्जिदें और समाजसेवी संगठन रमज़ान के दौरान ग़रीबोंके लिए भोजन कपड़ों के वितरण और आर्थिक सहायता का प्रबंध करते हैं, ताकि ईद की खुशी हर वर्ग तक पहुंचे। यही भावना ईद-उल-अज़हा में भी देखी जाती है, जहां कुर्बानी का गोश्त ज़रूरतमंदों में बांटा जाता है, जिससे त्योहार की नेमतें गरीबों तक भी पहुंच सकें।

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद
एम के फैजी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया
अशफाक हुसैन
प्रदेशाध्यक्ष
सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया
राजस्थान

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
मोहम्मद रिजवान खान
स्टेट वाईस चेयरमैन
कांग्रेस (KKC)
प्रदेश महासचिव
कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग राजस्थान

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद
माजिद सलीम
पूर्व चेयरमैन
जिला वक्फ कमेटी व जिला हज कमेटी बारां
पूर्व सदर
अंजुमन इस्लामियां बारां
9460854786
वाजिद सलीम
पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष
राजकीय महाविद्यालय बारां
8233339786
सौजन्य से : नेशनल टेलर्स & रेडीमेड, शास्त्री मार्केट, बारां

श्याम कुमार बंसल
अध्यक्ष
गोविन्द प्रसाद
उपाध्यक्ष
मोहम्मद शाहिद
(मन्नू पठान)
जनरल सेक्रेट्री
सभी देशवासियों को
होली के पावन पर्व
व
ईद-उल-फितर
की दिली मुबारकबाद
ध्रुव कुमार यादव
कोषाध्यक्ष
कल्लू अली
बोर्ड इंचार्ज
सौजन्य से:- दी पब्लिक केरियर ट्रक ओनर्स संस्थान, बारां

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की बहुत-बहुत
मुबारकबाद
अब्दुल अजीज (अज्जू)
पार्षद नगर परिषद बारां
सेकेट्री - जिला फुटबॉल संघ बारां
जिलाध्यक्ष : सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया बारां

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
हाजी नासिर मिर्ज़ा
प्रदेश कॉर्डिनेटर
प्रदेश कांग्रेस कमेटी
अल्पसंख्यक विभाग राजस्थान

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
सलीम भाई (शटर वाले)
पूर्व सचिव
जिला कांग्रेस कमेटी बारां

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
ईद मुबारक
विशेष... एक्सपर्ट क्रिमिनल लॉयर बारां
फिरोज खान
एडवोकेट L L B
राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर
जिला एवं सेशन न्यायालय बारां
फरातुन निशा
एडवोकेट L L B
ज़ोहरा
सूफी
सबा
फैज़ल
फवाज़
पता:- नूर हाउस, चाचा घोड़ी वालों का मकान, सब्जी मंडी, बारां - 9024499777

अब्दुल शकूर चिश्ती
पूर्व चेयरमैन
शहर वक्फ कमेटी बारां
कलाम स्टोन
पूर्व महामंत्री
अल्पसंख्यक कांग्रेस, बारां
अनस चिश्ती
सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
सौजन्य से : कलाम स्टोन सप्लायर्स, पुराना गाड़ी अड्डा, बारां

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
डॉक्टर अशअत ईजान
चिकित्सा अधिकारी
राजकीय सिटी डिस्पेंसरी
धर्मादा चौराहा बारां

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
डॉक्टर मोहम्मद फरहान
नेकनाम मेडिकल स्टोर, मांगरोल रोड़, बारां

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की बहुत-बहुत
मुबारकबाद
डॉक्टर शामिख अंसारी
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ
शहीद राजमल मीणा राजकीय चिकित्सालय बारां

सभी देशवासियों को होली के पावन पर्व व
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
जाकिर मंसूरी
साबिर खान प्रॉपर्टी
नियाज़ अहमद
मनोज सुमन
सौजन्य से:- केशव प्रॉपर्टी, पवन मेटल के सामने, मांगरोल रोड़ बारां

सभी देशवासियों और बारां शहर के अमन पसंद लोगो को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
अब्दुल रशीद पठान
मोहम्मद नदीम (शानू)
इरफान खान
सलमान खान
आमिर खान
आसिफ खान
सौजन्य से:- निखार कलेक्शन, राज स्टील हार्डवेयर
इरफान स्क्रैप ट्रेडर्स, N S स्क्रैप ट्रेडर्स बारां

हाजी मोहम्मद अशफाक
आफिया अंसारी
अरकम
सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
निवेदक:- हाड़ौती चिकन सेंटर, मीट मार्केट बारां

इमरान अंसारी
9829721401
मोहम्मद आरिफ
(सोफ्टवेयर इंजीनियर)
आज़ाद अंसारी
9928500666
सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
सौजन्य से : दर्जी स्टूडियो, पाकीज़ा शोरूम, किरन मार्केट , बारां
फॉरवर्ड टेलर, स्टेशन रोड़, बारां

सभी देशवासियों और बारां शहर के अमन पसंद लोगो को
ईद-उल-फितर
की
दिली मुबारकबाद
सद्दाम हुसैन अंसारी
पूर्व सदर
ईदगाह कमेटी बारां
वसीम अंसारी
आरिफ हुसैन
दानिश अंसारी
शादाब अंसारी
सौजन्य से:- बहुराणी साड़ी शोरुम, शास्त्री मार्केट बारां | M.No. 94611 21558

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद
जाकिर मंसूरी
पूर्व चेयरमैन
जिला वक्फ कमेटी बारां
शाहिद कुण्डी
पूर्व अध्यक्ष
जिला कांग्रेस कमेटी
अल्पसंख्यक विभाग बारां

सभी देशवासियों और बारां शहर
के अमन पसंद लोगो को
ईद-उल-फितर
की बहुत-बहुत
मुबारकबाद
मोहम्मद असलम
पार्षद
नगर परिषद बारां
मोहम्मद अकरम
सौजन्य से:- बॉम्बे मेटल, भाईजान के मकान के पास, मांगरोल रोड़ बारां

हाजी अब्दुल गनी
हाजी मोहम्मद उमर
मोहम्मद यूसुफ
मुख्तार अली
मंजूर कुरैशी
साबिर हुसैन
परवेज अख्तर
सभी देशवासियों और बारां शहर के अमन पसंद लोगो को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद
मिनजानिब:- फिरका फिश कंपनी, पुराना गाड़ी अड्डा, होटल हयात के पास, बारां

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद
जाकिर खान
पार्षद
नगर परिषद बारां

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की बहुत-बहुत
मुबारकबाद
परवेज खान
पार्षद
नगर परिषद बारां

सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की बहुत-बहुत
मुबारकबाद
डॉक्टर सरफराजुद्दीन अफजल
यूनानी चिकित्सा अधिकारी
राजकीय यूनानी ओषधालय
शहीद राजमल मीणा राजकीय चिकित्सालय बारां

झालावाड़ में नि:शुल्क मुस्लिम इज्तिमाई शादी सम्मेलन 29 मार्च होगा को आयोजित

-12 जोड़ों का हुआ रजिस्ट्रेशन- अब्दुल हुसैन

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान झालावाड़,तमामी हजरात को यह जानकर बेहद खुशी होगी कि सर जमीने झालावाड़ में रजिस्टर्ड सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर की जानिब से पहला नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन 29 मार्च 2026 रविवार को ईदगाह मैदान झालावाड़ में होगा आयोजित, सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन और सम्मेलन सदर मूकीम बेग ने बताया कि महंगाई के बढ़ते दौर को देखते हुए फिजूल खर्चों से बचने के लिए और निकाह को आसान और सुन्नत बनाने के लिए सोसायटी ने पिछले 3 महीने पहले एक नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन करने का इरादा किया था जिसमें 12 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन 10 मार्च 2026 तक हुआ है और इस नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन में दूल्हा-दुल्हन पक्ष से एक रुपया भी नहीं लिया है दूल्हा दुल्हन को अपनी नई गृहस्थी चलाने के लिए सोसायटी की जानिब से दहेज भी दिया जाएगा पूरा सम्मेलन मुफ्त रहेगा दूल्हा दुल्हन पक्ष से 51-51 मेंबर बुलाए गए हैं सम्मेलन के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सोसायटी के सेक्रेट्री राजू भाई हबीब नगर ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है और सभी मेंबर हजरात को सम्मेलन को कामयाब बनाने वास्ते अपनी अपनी जिम्मेदारियां सौंप दी गई है सम्मेलन में आने वाले सभी मेहमान के लिए टेंट ओर ठंडे जल का माकूल इंतजाम किया गया है ओर बाहर से आने वाली तमाम छोटी बड़ी गाड़ियों की पार्किंग स्टैंड की ईदगाह के पीछे व्यवस्था की गई है गर्मी के मौसम को देखते हुए हर सुविधा का ख्याल रखा गया है सम्मेलन में दूल्हा दुल्हन मेहमान बाराती की आमद सुबह 8 बजे रखी गई है निकाह सुबह 9 बजे रखा गया है विदा 1 बजे रखी गई है। दावते तूआम सुबह 10 बजे से 1 बजे तक रखा गया है।

रमजान का महीना मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम देता है और बरकतों का महीना है - हमीदा बेगम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने माहे रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा की माहे रमज़ान सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह इंसानियत के लिए रूहानी (आध्यात्मिक), अखलाकी (नैतिक) और जिस्मानी (शारीरिक) सुधार का एक बेहतरीन जरिया है। रमजान के महीने में 30 दिन तक बड़े लेवल पर इफ्तार की तैयारी की जाती है। रमजान को खुदा के महीने के नाम जाना जाता है। रमजान के महीने में पैगंबर-ए-इस्लाम को मेराज पर अल्लाह ने एक तोहफा दिया जिसे पांच वक्त की नमाज कहा जाता है रमजान के महीने मैं गरीब की भूख और प्यास का एहसास होता है।

इंसानियत के लिए इसके मुख्य फायदे:-

1. नैतिक और चारित्रिक सुधार,सब्र और संयम रोज़ा इंसान को अपनी इच्छाओं और गुस्से पर काबू पाना सिखाता है, जिससे समाज में सहनशीलता बढ़ती है। बुराइयों से तौबा यह महीना इंसान को झूठ, गीबत (चुगली), और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की ट्रेनिंग देता है। अनुशासन सहरी और इफ्तार का वक्त इंसान के जीवन में वक्त की पाबंदी और अनुशासन लाता है।

2. सामाजिक एकता और सेवा हमदर्दी और एहसास भूख और प्यास का अनुभव करने से अमीर इंसान को गरीबों और जरूरतमंदों की तकलीफ का एहसास होता है। दान-पुष्प इस महीने में जकात और सदका (दान) देने से समाज के वंचित तबके की आर्थिक मदद होती है, जिससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलता है, सामूहिक भाईचारा इफ्तार और नमाज-ए-तरावीह के बहाने लोग आपस में मिलते हैं, जिससे आपसी रिश्ते और भाईचारा मज़बूत होता है।

3. वैज्ञानिक और स्वास्थ्य लाभ डिटॉक्सिफिकेशन: रोज़ा रखने से शरीर के जहरीले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और पाचन तंत्र को आराम मिलता है, ऑटोफैगी प्रक्रिया आधुनिक विज्ञान के अनुसार, उपवास के दौरान शरीर की कोशिकाएं अपनी ही डैमेज कोशिकाओं को साफ करना शुरू कर देती हैं, जिससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। हृदय स्वास्थ्य रोजा रखने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम होता है, जो दिल की बीमारियों को रोकने में सहायक है। रमज़ान एक "ट्रेनिंग कैंप" की तरह है जो इंसान को एक बेहतर, अनुशासित और नेकदिल इंसान बनने में मदद करता है। इस्लामी कैलंडर के नौवें महीने, रमज़ान (माहे रमज़ान) को न केवल इबादत और रोज़ों के लिए जाना जाता है, बल्कि यह महीना इस्लामी इतिहास की कई महत्वपूर्ण और निर्णायक घटनाओं का गवाह रहा है।

1. कुरान का अवतरण (नुजूल-ए-कुरान):-

इस्लामी मान्यता के अनुसार, इसी पवित्र महीने की एक रात, जिसे लैलतुल क़द्र (शवे कद्र) कहा जाता है, अल्लाह ने पैगंबर हज़रत मुहम्मद (स.अ.व.) पर पवित्र कुरान नाजिल (अवतरित) करना शुरू किया था।

2. बद्र का युद्ध:-

यह इस्लाम की पहली प्रमुख और निर्णायक सैन्य जीत थी। केवल 313 निहत्थे मुसलमानों ने मक्का के 1,000 से अधिक हथियारों से लैस सैनिकों वाली सेना को हराया था।

3. मक्का की विजय:-

पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) ने बिना किसी बड़े खून-खराबे के 10,000 सहाबा (साथियों) के साथ मक्का में प्रवेश किया और शहर को शांतिपूर्वक जीत लिया।

4. हज़रत ख़दीजा (रजि.) का इंतक़ाल:-

पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) की पहली पत्नी और 'उम्मुल मोमिनीन' (मोमिनों की माँ) हज़रत खदीजा का इंतकाल इसी महीने में हुआ था। उन्हें 'आम-उल-हुज़्न' (दुःख का वर्ष) के दौरान खो दिया गया था।

5. हज़रत अली (रजि.) की शहादत:-

इस्लाम के चौथे खलीफा हज़रत अली इब्न अबी तालिब (रजि.) पर मस्जिद में नमाज़ के दौरान हमला हुआ था और वह शहीद हो गए थे। उसे दिन 21 वा रमजान था।

मोहम्मद सिद्दीक गोरी को राजस्थान कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान में पदाधिकारियों की घोषणा की है, जिसमें मोहम्मद सिद्दीक गोरी को राजस्थान कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, इस नियुक्ति पर उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, इमरान प्रतापगढ़ी, अशोक गहलोत, गोविन्द सिंह डोटासरा, सचिन पायलट, एम.डी.चोपदार, प्रमोद जैन भाया, झालावाड़ जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर और वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। गोरी ने 16 मार्च 2026 को जानकारी देते हुए बताया कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी नियुक्ति से जिला झालावाड़ एवं राज्य में पार्टी को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

नगरपालिका में शपथ दिलाने के साथ स्वच्छता सप्ताह आरंभ

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्तशासन विभाग के निर्देशन में राजस्थान दिवस समारोह पर नगरपालिका में स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत शनिवार को किया गया। यह विशेष अभियान 14 से 19 मार्च तक संचालित किया जाएगा, जिसके तहत शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने वाली गतिविधियां कराई जाएंगी। अभियान के पहले दिन शनिवार को नगरपालिका कार्यालय परिसर में शुरुआत की गई। पूर्व पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने कार्मिकों, शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की शपथ ली। ईओ तरुण कुमार लहरी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। निर्धारित थीम के अनुसार, अगले पांच दिनों तक शहर के वाडों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान नगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने एक स्वर में स्वच्छता का आदर्श शहर बनाने का संकल्प दोहराया।

पीर की जाल उर्स मुबारक में होंगे धार्मिक कार्यक्रम से गुंजेगा दरगाह परिसर

-20 मार्च को झंडा चढ़ेगा, 23 को रात्रि में संदल, 26 मार्च को भरपूर जुम्मेरात

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह का सालाना उर्स मुबारक दिनांक 20 मार्च से 30 मार्च तक चलेगा। वार्षिक मेले में कानून व्यवस्था एवं लोक शांति बनाए रखने हेतु उपखंड मजिस्ट्रेट सांचौर को मेला मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार सांचौर को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वार्षिक उर्स (मेले) में हिंदुस्तान के कोने-कोने से जायरीन तशरीफ लाते हैं और मत्था टेक कर अपनी मुरादे मांगते हैं जाल वाले बाबा के नाम से मशहूर दरगाह पीर की जाल को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। एडवोकेट इब्राहिम शाह ने बताया कि सालाना उर्स मुबारक में सैकड़ो की तादाद में जायरीन का जत्था दरगाह पीर की जाल पर आता है जिसमें हजारों की संख्या में पैदल चलकर भी अपनी मन्नते लेकर जायरीन आते हैं दानदाताओं की तरफ से जगह-जगह कैंप लगाकर पैदल जायरीनों के लिए चाय,पानी और नाश्ता आदि की व्यवस्था की जाती है। उर्स मुबारक में करीब 300 से अधिक दुकानें लगती हैं। जिसमें राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों से दुकानें लगती है दरगाह पीर अब्बनशाह पीर की जाल पर उर्स मुबारक में रात्रि ईशा नमाज बाद उलमाए किराम का नूरानी खिताब होगा जिसमें 23 मार्च को हजरत पीर सैय्यद मोहम्मद अली बावा खानकाए आलिया डीसा तशरीफ ला रहे हैं, 24 को हजरत मौलाना इदरीश रजा जोधपुर तशरीफ ला रहे हैं, 25 को हजरत मौलाना शोएब आलम शेखुल हदीस लुनी शरीफ कच्छ गुजरात, 26 को हजरत क़िब्ला पीर रफीक आलम हुसैनी महाराष्ट्र का खिताब होगा। जिसमें हजारों की तादाद में जायरीन का हुजूम उमड़ेगा।

ज्ञानचंद यादव चूरू के नए पुलिस अधीक्षक नियुक्त

-हरियाणा के मूल निवासी, जल्द संभालेंगे पदभार

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले को नया पुलिस अधीक्षक मिल गया है। राजस्थान के आईपीएस अधिकारी ज्ञानचंद यादव को चूरू का नया एसपी नियुक्त किया गया है। वे मौजूदा एसपी जय यादव का स्थान लेंगे, जिनका डीग में पदोन्नति के बाद तबादला हो गया है। ज्ञानचंद यादव जल्द ही अपना कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। मूल रूप से हरियाणा के निवासी ज्ञानचंद द्रयादव को राजस्थान पुलिस के अनुभवी अधिकारियों में गिना जाता है। उन्होंने जालौर और झुंझुनूं जैसे जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य किया है, जहां उनकी कार्यशैली को प्रभावी माना गया है। अपने करियर में ज्ञानचंद यादव ने कई गंभीर अपराधों, जिनमें ब्लाइंड मर्डर और बड़ी डकैती की घटनाएं शामिल हैं, का त्वरित खुलासा किया है। उनकी पहचान अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में उनकी दक्षता के लिए है। चूरू जिले की सीमा हरियाणा से सटी हुई है, जिससे तस्करी और अवैध गतिविधियों का जोखिम रहता है। हरियाणा के मूल निवासी होने के कारण, ज्ञानचंद यादव को इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और चुनौतियों की बेहतर समझ है, जिससे इन गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

मंगलम सीमेंट ने बालाजी मंदिर की चार दिवारी के लिए चेक दिया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। हिरियाखेड़ी में बालाजी मंदिर पर मंगलम ने किए सामाजिक कार्यक्षेत्र के हीरियाखेड़ी में बालाजी मंदिर की चारदीवारी निर्माण के लिए सामाजिक सरोकार में मंगलम सीमेंट लिमिटेड ने सहयोग दिया। यह योगदान मंदिर परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास के लिए महत्वपूर्ण है। कंपनी के कारखाना परिसर में कैलाश मीणा सरपंच प्रतिनिधि हिरियाखेड़ी व महफूज अली को हाड़ा, सहयोग राशि का चेक दिया। कोषाध्यक्ष कंपनी के पदाधिकारी पीआर राकेश चौधरी, आरपीसिंह और संजीव शक्तावत, रिपेंद्रसिंह कुमार जामवाल ने चेक दिया। कंपनी के अधिकारी आरपी सिंह ने बताया कि मंगलम सीमेंट लिमिटेड की ओर से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कौशल विकास, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण अवसंरचना जैसे क्षेत्र में लगातार जनहितकारी कार्य किए जाते हैं। गोवंश संरक्षण, बालाजी मंदिर की चारदीवारी निर्माण में दिया गया सहयोग कंपनी की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भविष्य में भी ऐसी गतिविधियां जारी रहेगी। सरपंच प्रतिनिधि कैलाश मीणा ने कहा कि चारदीवारी बनने से मंदिर परिसर अधिक सुरक्षित और आकर्षक हुआ है। श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिलेगा।

रोजा और मेटाबोलिज्म- न्यूट्रिशनिस्ट साइमा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित साइमा (डाइटिशियन & न्यूट्रिशनिस्ट) ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश की ओर बताया कि रोजा (उपवास) और मेटाबोलिज्म के बीच गहरा संबंध है। रोजा के दौरान शरीर को भोजन और पानी से कुछ समय के लिए दूर रखा जाता है, जिससे शरीर के मेटाबोलिज्म में कई बदलाव होते हैं।

रोजा के दौरान होने वाले मेटाबॉलिक बदलाव:-

1. ग्लूकोज का स्तरः रोजा के दौरान शरीर को ग्लूकोज की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर कम होता है।

2. केटोसिस: जब शरीर को पर्याप्त ग्लूकोज नहीं मिलता, तो शरीर वसा को ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग करना शुरू करता है, जिससे केटोन्स बनते हैं।

3. वसा जलनाः रोजा के दौरान शरीर वसा को जलाने लगता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

4. मेटाबॉलिक दरः रोजा के दौरान शरीर की मेटाबॉलिक दर थोड़ी धीमी हो सकती है, जिससे शरीर ऊर्जा की बचत करता है। 5. हार्मोनल बदलावः रोजा के दौरान शरीर में इंसुलिन और ग्लूकागन जैसे हार्मोन के स्तर में बदलाव होते हैं।

रोजा के मेटाबॉलिक लाभ:-

वजन कम करने में मददः वसा जलने की प्रक्रिया के कारण वजन कम करने में सहायता मिलती है। कैंसर के खतरे में कमीः रोजा रखने से शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव कम हो सकता है। ऑटोफैजी, जिससे कैंसर के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।मानसिक स्वास्थ्य में सुधारः रोजा से मानसिक शांति मिलती है और तनाव व चिंता को कम करने में मदद मिलती है। पाचन तंत्र में सुधारः रोजा पाचन तंत्र को आराम देता है और पाचन से जुड़ी समस्याओं में सुधार ला सकता है।

इम्यून सिस्टम में सुधारः नियमित रोजा से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो सकती है। त्वचा के स्वास्थ्य में सुधारः रोजा शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है, जिससे त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। आत्म-नियंत्रण और अनुशासनः रोजा रखने से आत्म-नियंत्रण और अनुशासन की भावना मजबूत होती है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधारः रोजा इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हृदय स्वास्थ्य में सुधारः रोजा से हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। सूजन में कमीः रोजा शरीर में सूजन को कम करने में सहायक हो सकता है।

साइमा (डाइटिशियन & न्यूट्रिशनिस्ट) के अनुसार, रोजा रखते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए सेहरी और इफ्तार में संतुलित और पौष्टिक भोजन लिया जाए।

नो वर्षीय मोहम्मद सूफियान बेहलीम ने रमजान के 10 रोजे पूरे किए

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । पवित्र महीना माहे रमजान इस्लाम का रहमतों, बरकतों ओर इबादतों का मुबारक महीना पूरा होने को आया जिसमें नन्हे बच्चे भी तपती गर्मी में भी रोजे रख कर अल्लाह को राजी करने में मशगूल है सांचौर निवासी नो वर्षीय मोहम्मद सूफियान पुत्र मोहम्मद बिरसाद बेहलीम के शहजादे ने रमजान के 10 रोजे पूरे किए। बेहलीम परिवार में बच्चे की हौसला अफजाई कर खुशी बाटी। नन्हे बच्चे ने रमजान के पवित्र महीने में रुकने इस्लाम अदा किया। दिन भर इबादत में मशगूल रहने के बाद शाम को मगरिब की अज़ान के साथ रोज़ा खोला ओर नमाज पढ़ कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। ओर खूब दुआओ से नवाजा। रमजान में छोटे बच्चों के रोजे समाज में धार्मिक भावना और संस्करो की प्रेरणादायक मिसाल पेश कर रहे हैं।

हाजी मांगू खान ने पेश की इमानदारी की मिसाल

मोहम्मद यासीन

पाली/खैरवा (रॉयल पत्रिका)। वजीर खान कायमखानी ने बताया कि खैरवा के हाजी मांगू खान अनाज के खरीदने ओर बेचने का व्यापार करते हैं इस दौरान गेहूं बेचने के लिए खैरवा के घिसा राम घाची मांगू खान की दुकान पर आए ओर गेहूं बेचकर चले गए। करीब 15 -20 दिन बाद जब मांगू खान ने गेहूं का कटा खोला तो उसमें गहनों की भरी हुई थैली निकली मांगू खान जैसे ही गहनों की थैली देखी तो तुरन्त गहनों के मालिक घिसा राम को फोन करके घर बुलाया और गांव के मौजीज व्यक्तियों को बुलाया और उनके सामने करीब 15 लाख रुपए के कीमत के गहने मालिक घिसा राम को वापस देकर रमजान के पवित्र महीने में ईमानदारी की मिसाल पेश की। इस दौरान खैरवा के मुस्लिम समाज के नायब सदर वज़ीर खान कायमखानी,सरपंच प्रतिनिधि भरत सिंह, भगवत सिंह भाटी, सदाम पठान, शक्ति सिंह, अलादीन खान, हनीफ खान, बूंदु खान, सूजाराम और खैरवा के मौजीज व्यक्ति मौजूद थे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

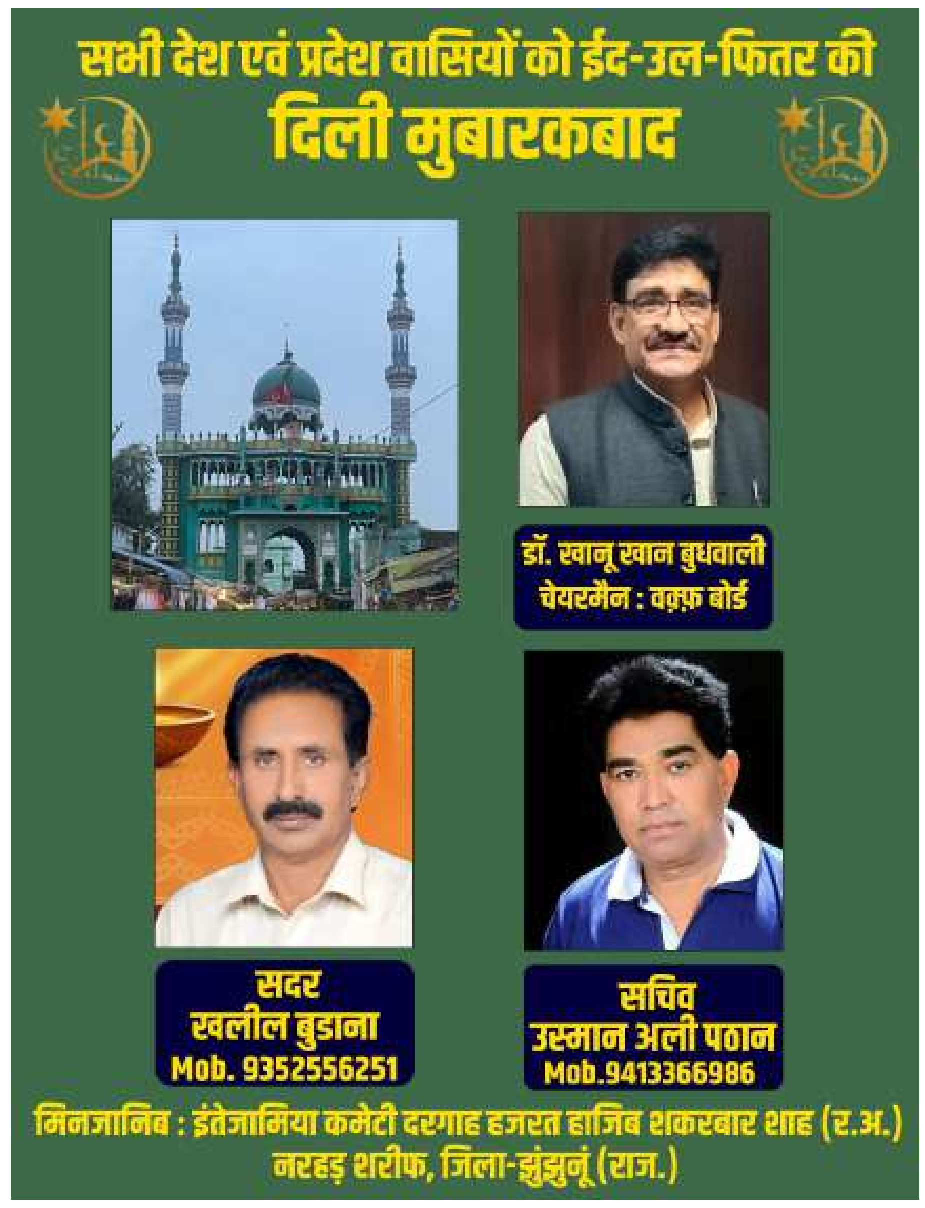

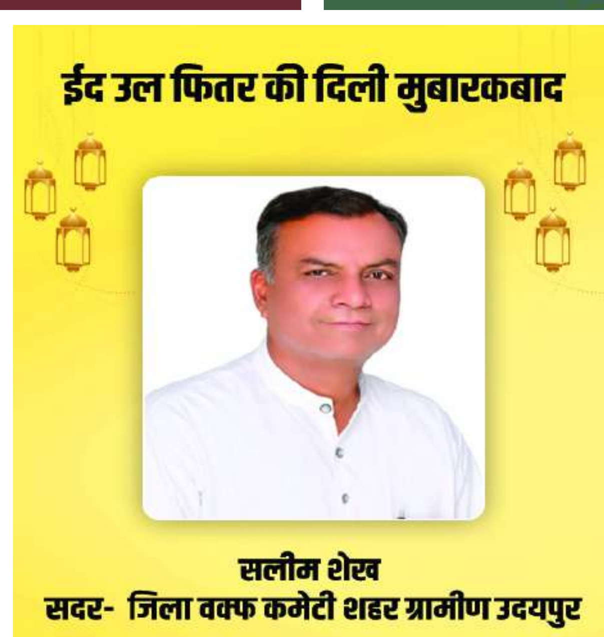

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंकों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है, उमराह क्यों करना चाहिए और उमराह पैकेज बुक कराते वक़्त हवाई जहाज़ का टिकट, होटल, वीज़ा, ट्रांसपोर्ट और लॉन्ड्री में क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए।

आइये आज हम जानते हैं कि उमराह के दौरान खाने में किस-किस तरह से धोखाधड़ी हो सकती है। यह जानने से पहले ये जानना जरुरी है कि सऊदी सरकार ने हरम शरीफ से 3 किलोमीटर तक खाना बनाने पर पाबन्दी लगा रखी है और सऊदी सरकार से मान्यता प्राप्त किचन में ही खाना बनाया जा सकता है। इस पाबन्दी की वजह से होटल में खाना नहीं बन सकता। लेकिन कुछ लोग सस्ते के चक्कर पाबन्दी होने के बावजूद चोरी छिपे खाना बनवा लेते हैं। छापा पड़ने पर हाजियों को बाहर निकाल कर सऊदी वज़ारत वाले होटल पर जुर्माना लगाते हैं और होटल को ताला लग जाता है। अब सारे हाजी परेशान होते हैं उनके पास इतनी रकम नहीं होती कि दूसरा होटल कर लें।

सस्ते के चक्कर में अगर 50 हाजी हैं तो खाना 35 हाजियों का बनवाया, उसमे 40-45 लोग खाना खा लिए और 5 लोगों को सिर्फ दाल चावल खाकर काम चलाना पड़ा। उमराह पैकज बुकिंग करते वक़्त हाजी को बहुत शानदार खाने का वीडियो दिखाया और वहां पर सस्ता खाना लगवा दिया। या जितने आइटम दिखाए थे उसमें से कुछ आइटम कम करके बाकी का खाना लगवा दिया।

कुछ लोग सस्ते के चक्कर में हाजियों को खाने का वक़्त 2 घंटे बाद का बताते हैं। इन 2 घंटों में जब दूसरे बुफियों पर लोग खाना खा चुके होते हैं और जो खाना बच जाता है इसको सस्ते दामों पर खरीद कर अपने हाजियों को खिला देते हैं। इस तरह की धोखाधड़ी अभी तक इंडिया के लोग नहीं कर रहे हैं। लेकिन सब देख रहे हैं कि खाने को सस्ता ऐसे भी किया जा सकता है। खाने में एक बात और देखने में आयी है कि जिस दिन पहुंचते हैं उस दिन यह कह करके दाल चावल खिला देते हैं कि आज तो आये हैं, इंतजाम हो रहा है कल से खाना सही लग जायेगा, जबकि होना ये चाहिए कि जब पहुंचने का वक़्त पता था तो खाने के सारे इंतजाम पहते से ही क्यों नहीं किये गए, फिर वही सस्ते का चक्कर।

एक और वजह जो लोग उमराह पर जाते हैं उनमे से कुछ लोगोंके रिश्तेदार जो पहले से ही वहाँ पर नौकरी कर रहे होते हैं, रेस्टॉरेंट में जानबूझकर खाने के वक़्त हाजी से मिलने आते हैं और बड़ी बेशर्मी से प्लेट उठाकर बुफिया से प्लेट में भरकर खाना खाने लगते हैं, इसकी वजह से नुक्सान से बचने के लिए लोग खाना सस्ता वाला लगवा देते हैं और नुक्सान हाजियों का होता है। जो महंगा खाना लगवाने वाले हैं वो हाजियों के रिश्तेदारों के रेस्टॉरेंट में आने पर पाबन्दी लगाते हैं जिसकी वजह से अच्छा खाना मिल पाता है। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशाअल्लाह, तब तक के लिए खुदा हाफिज !

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

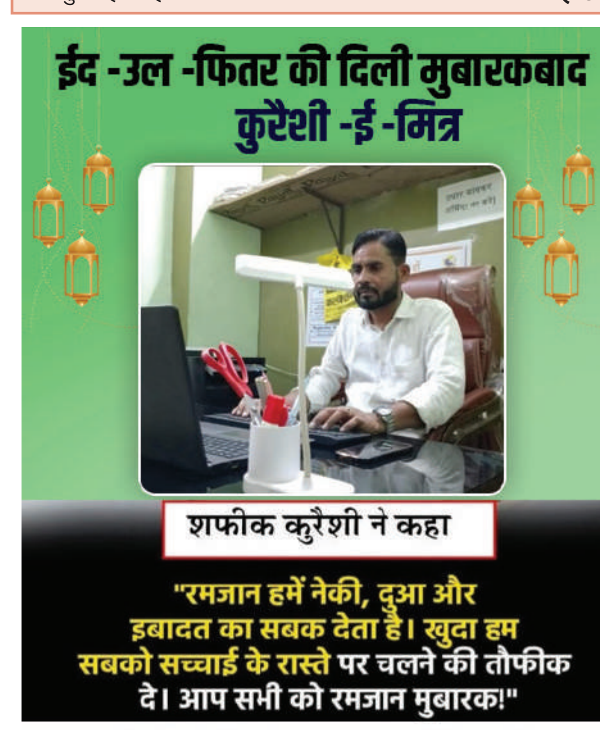

रॉयल विकलांग विकास संस्थान राजस्थान चूरू (मीडिया प्रभारी)
मो.न. 96602 71917 रतनगढ़ ग्रामीण बैंक के सामने नई सड़क चूरु

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com